संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक **घटती घटना**

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -149 शनिवार ,01 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

इंदौर में हुए मंदिर घटना में 36 शव बरामद किए गए

बावड़ी के ऊपर कंक्रीट स्लैब बनाने की अनुमति किसने दी थी ?

» मासूमों का शव देख रो पड़े सेना के जवान

» भारतीय सेना की आखें भी हुई नम

» श्रद्धालुओं को नहीं था पता कि वो मौत की बावड़ी पर बैठे हैं

इंदौर,31 मार्च 2023(ए)। इंदौर में हुए दर्दनाक हादसे के बाद सभी शवों को बावड़ी से निकाल लिया गया है, जहां सभी शवों का एक-एक कर अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। पटेल नगर स्थित जिस बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर पर यह हादसा घटित हुआ, उस मंदिर में पिछले कई सालों से राम नवमी पर इसी तरह का धार्मिक अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाता था, लेकिन अबकी बार किसे पता था कि, यह धार्मिक अनुष्ठान किसी हादसे में परिवर्तित हो जाएगा, और 36 लोग इस हादसे में अपनी जान गवा बैठेंगे, जिस बावड़ी में यह हादसा हुआ, उस बावड़ी के ठीक ऊपर की तरफ भगवान की मूर्तियां लगी हुई थी, जिस पर विधि विधान के साथ चढ़ाई गई पूजन सामग्री इस बात की गवाह थी कि, हादसे से पहले लोगों ने यहां भगवान का विधि विधान के साथ पूजन अर्चन किया है। इतना ही नहीं, रोजाना मंदिर जाने वाले, और यहां पूजन अर्चन करने वालों की आंख भी नम है, जहां वे इस बात पर भी भरोसा नहीं कर पा रहे कि, जिस मंदिर में वे रोजाना भगवान के पूजा अर्चना के लिए पहुंचते थे। उस मंदिर की बावड़ी में 36 लोगों ने अपनी जान गंवा दी।

मंदिर के बाहर लगी सूचना बन गई आखिरी सूचना

पटेल नगर स्थित जिस बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में यह हादसा हुआ, उस मंदिर के बाहर लगे ब्लैक बोर्ड पर सूचना लिखी गई थी, जिसमें लिखा गया था कि, 30/03/2023 दिन गुरुवार सुबह 9 बजे नवरात्रि माता जी का हवन सभी भक्तों प्रेमी हवन में आहुति देवें, हवन के बाद भंडारा। बताया जाता है कि, रामनवमी पर आयोजित इसी हवन के वक्त बावड़ी पर डला स्लैब धंस गया, और हवन में मौजूद सभी लोग बावड़ी में समा गए। हवन में शामिल हुए लोगों को नहीं पता था कि, यह हवन उनकी जिंदगी का आखरी हवन होगा, और इसके बाद वे इस दुनिया से अलविदा हो जाएंगे।

एक साथ उठी सभी अर्थियाँ पटेल नगर के बालेश्वर महादेव मंदिर में हुए हादसे का शिकार हुए पटेल नगर के रहवासियों की अर्थियां एक साथ उठी, जिनमें लगभग 11 अर्थियों को पटेल नगर धर्मशाला से अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। अंतिम संस्कार के वक्त परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। वहीं बड़ी संख्या में लोग दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। अंतिम संस्कार से पहले अधिकारियों ने श्मशान घाट पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया था, तो वहीं शुक्रवार की दोपहर सभी दिवंगत आत्माओं का अंतिम संस्कार कर दिया गया, जिस पटेल नगर में यह हादसा घटित हुआ है, उस पटेल नगर में शोक का माहौल व्याप्त है।

सैन्य अधिकारी अर्जुन सिंह ने ज्यादा शव लाने के लिए तीसरे राउंड में सैनिक कम कर दिए। अबकी बार बचाव दल 8 शव लेकर बाहर आया। इनमें 4 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल थे। एक साथ 8 शव को ढंकने के लिए चादर और ले जाने के लिए स्ट्रेचर कम पड़ गए। 12 घंटे से पानी में होने से शव पूरी तरह गल चुके थे। बड़े-बड़े अभियान को अंजाम देने वाले जवानों के लिए बच्चों के शव सबसे भारी रहे। उनके हाथ कंपकपा रहे थे। बच्चों के शव देखकर सेना और बचाव दल सहित वहां मौजूद अन्य लोगों की आंखें भी नम हो गई थी।

किसे पता था कि यह धार्मिक अनुष्ठान किसी हादसे में परिवर्तित होगा

अधिकारियों ने बताया कि मंदिर के संकरी जगह में बने होने के कारण बचाव कार्य में शुरुआत में बाधा आई और मंदिर की एक दीवार तोड़ कर पाइप इसके भीतर डाला गया और बावड़ी का पानी मोटर से खींचकर बाहर निकाला गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मंदिर में पुरातन बावड़ी की छत पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ थी और छत ज्यादा लोगों का बोझ नहीं सहन कर सकी। रहवासियों ने बताया कि मंदिर पुरातन बावड़ी पर छत डालकर बनाया गया था।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री-सीएम-पूर्व सीएम ने व्यक्त किया दुख

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपना दुख व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में कहा, इंदौर में हुए हादसे में कई लोगों की मौत की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। इंदौर में हुए हादसे से बेहद आहत हूं। सीएम शिवराज सिंह चौहान से बात की और स्थिति की जानकारी ली। राज्य सरकार बचाव और राहत कार्य को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। सभी प्रभावितों और उनके परिवारों के साथ मेरी प्रार्थना है। इंदौर में आज हुई दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी में प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने घोषणा की कि राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार को 5-5 लाख रुपये और घटना में घायलों को 50-50 हजार रुपये का मुआवजा देगी। दुख की इस घड़ी में हम शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। घायलों के इलाज की समुचित व्यवस्था की गई है और इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इस बीच मौके पर पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने अस्पताल में कुछ घायलों से भी मुलाकात की। यह त्रासदी कैसे हुई, इसकी गहन जांच की जानी चाहिए. बावड़ी के ऊपर कंक्रीट स्लैब बनाने की अनुमति किसने दी?

मरने वालों का होगा अंगदान,पीड़ित परिवारों ने लिया बड़ा फैसला

इंदौर में रामनवमी पर श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हुए हादसे में अब तक 35 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अपनों को गंवाने वाले कुछ परिवारों ने मृतकों के अंग दान की पहल की है। परिवारों के इस फैसले का अधिकारियों और लोगों ने जमकर स्वागत किया है। अंगदान के लिए काम करने वाले मुस्कान ग्रुप ने पीड़ित परिवारों के इस कदम की जमकर सराहना की है। वहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

मुस्कान ग्रुप के अंगदान विभाग के प्रभारी संदीपन आर्य ने कहा कि, इस दुख की घड़ी में भी कुछ परिवार ने मृतकों का अंग दान करने की बात कही है। उन्होंने कहा, हादसे में महिला मधु कुकरेजा की जान गई है। सबसे पहले उनका परिवार अंग दान के लिए आगे आया और उन्होंने हमसे संपर्क करते हुए मधु की आंखें दान करने की इच्छा जाहिर की है। 8 परिवार ऐसे हैं, जिन्होंने अपने परिवार के मृत सदस्य की आंख डोनेट करने की बात कही है। साथ ही तीन परिवार के ऐसे हैं जिन्होंने स्किन डोनेट करने की बात कही है। हम अन्य परिवारों से भी उनके परिवार के मृत सदस्य के अंगदान के लिए बात कर रहे हैं।

भारती पति परमानंद, मधु पति राजेश, दीक्षा पति लक्ष्मीकांत, जयवंती पति परमानंद, लक्ष्मी पति रतनलाल, इंद्रकुमार पिता थवरलाल, मनीषा पति आकाश, गंगाबेन पति गंगादास, भूमिका पति उमेश, कनक पति कौशल पटेल, पुष्पा पति दिनेश पटेल, करिश्मा पिता राम वाधवानी, वर्षा पिता रवि पाल, पिंटू पिता मंगल सिंह, लोकेश पिता सुरेश, पुष्पा पाल पति रामकरण पाल, शारदा बेन पति केशवलाल, महक पिता राजेश, सुभाष पिता सुखलाल, तनीश पिता रवि पाल, प्रियंका प्रजेश पटेल, राजेंद्र पिता बद्रीनारायण, हितेश पिता प्रेमचंद, नंद किशोर पिता मोहन दास, कस्तूरी बेन पति मनोहर दास, घनश्याम पिता नौतन दास, सुरेश पिता अरुण दास, जितेंद्र पिता रतन सोलंकी, जया बेन पिता गंगाराम पटेल, विनोद पटेल पिता धनजी पटेल, इंद्रा पिता नारायण दास, उषा गुप्ता पिता प्रहलाद दास, शारदा लाड पति हुकुमचंद लाड, रतन बेन पति नानजी पटेल और सोमेश खत्री की मौत हो गई।

वहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पूरी घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिवार को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और घायलों को 50 हजार रुपये की मदद देने का ऐलान किया है। घायलों के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। इसके अलावा पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से भी मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की मदद की घोषणा की गई है।

भड़की हिंसा पर भाजपा ने ममता सरकार पर किया हमला

» भाजपा सासंद बोलीं-राज्य में खतरे में हैं हिंदू

कोलकाता ,31 मार्च 2023 (ए)। रामनवमी के अवसर निकाली शोभायात्रा के दौरान हावड़ा में हिंसा को लेकर हुगली से भाजपा सांसद लाकेट चटर्जी ने शुक्रवार को कहा कि बंगाल में हिंदुओं का जीवन खतरे में है। यह निराशाजनक है। इस तरह के दृश्य बंगाल से हर रामनवमी और दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान सामने आते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है कि बंगाल में हिंदुओं का जीवन खतरे में रहे।

सीएम पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप

भाजपा सांसद ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने ममता के इस्तीफे की मांग की। साथ ही चटर्जी ने कहा कि वह धरना देते हुए क्या कहा था? रमजान के दौरान मुसलमान अच्छी तरह से रहते हैं। क्या यह इसका एक उदाहरण है? वह वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति के लिए असामाजिक तत्वों को बचा रही हैं।

विपक्ष ने गृह मंत्री पर भी किया हमला

राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति बदतर है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। वह मुख्यमंत्री हैं। साथ ही गृह मंत्री और वह इसे रोकने में असमर्थ हैं। यह एक के बाद एक हो रहा है। समाचार एजेंसी एनआइए द्वारा इसकी जांच की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी बंगाल में हुई हिंसा की निंदा की।

उन्होंने कहा कि ममता के शासन में पत्रकारों पर हमले हुए, रामनवमी के जुलूसों में पथराव हुआ। अगर पत्रकार हिंसा का शिकार हो रहे हैं और राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है तो इससे बड़ी शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? बताते चलें कि कवरेज के लिए पहुंचे एक राष्ट्रीय चैनल के पत्रकार के साथ मारपीट की गई।

भूख से कोई मौत नहीं हुई

» केंद्र ने संसद को दी जानकारी-

» किसी भी राज्य ने नहीं दी ऐसी सूचना

नई दिल्ली ,31 मार्च 2023 (ए)। सरकार ने संसद को सूचित किया है कि देश में भूख से किसी की मौत नहीं हुई है। क्या देश अभी भी भुखमरी से होने वाली मौतों की समस्या का सामना कर रहा है? लोकसभा में इस तारांकित प्रश्न का जवाब देते हुए केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, नहीं सर। एक भी राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने भूख से मौत की कोई सूचना नहीं दी है।

गोयल की यह प्रतिक्रिया ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में भारत के 121 देशों में से 107वें स्थान पर आने के कुछ ही महीनों बाद आई है, जिसमें बच्चों की बर्बादी की दर 19.3 प्रतिशत है, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

अक्टूबर 2022 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि 2021 में भारत

101वें स्थान पर था, लेकिन वैश्विक स्तर पर भूख से मौत को ट्रैक करने वाले सूचकांक में और नीचे खिसक गया।

गोयल का बयान सितंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार से दिए गए जवाब के विपरीत है। केंद्र ने सूचित किया था कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में 69 प्रतिशत मौतें कुपोषण के कारण होती हैं।

केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया था कि भूखे रहने वाले भारतीयों की संख्या 19 करोड़ से बढ़कर अब 35 करोड़ हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह राज्यों के साथ मिलकर देशभर में भुखमरी से होने वाली मौतों, भुखमरी और कुपोषण के आंकड़े मुहैया कराए।

सरकार ने ग्लोबल हंगर रिपोर्ट 2022 को भी यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि एक ऐसे राष्ट्र के रूप में भारत की छवि को धूमिल करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है, जो अपनी आबादी की खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।

झारखंड में नक्सलियों का आतंक

» चाईबासा में लूटा विस्फोटकों का जखीरा, पर्चे छोड़कर दी धमकी

रांची,31 मार्च 2023 (ए)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिले में विस्फोटक पदार्थों की बड़ी लूट हुई है। भाकपा माओवादी संगठन के नक्सलियों ने माइनिंग कार्य के लिए विस्फोटकों की सप्लाई करने वाली कंपनी के मैगजीन पर बीती रात धावा बोलकर इस घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि एक सौ से भी ज्यादा हथियारबंद नक्सलियों ने देर रात बड़ाजामदा थाना के परमबालजोड़ी गांव के पास जंगल में स्थित डीके घोष कंपनी के मैगजीन पर हमला किया।

यहां सुरक्षा में तैनात प्राइवेट गार्डस को हथियारों का भय दिखाकर कब्जे में ले लिया और इसके बाद वहां रखे गए 5000 से अधिक डेटोनेटर, सैकड़ों इलेक्ट्रिकल डेटोनेटर और सैकड़ों मीटर कोडेक्स वायर लूट लिए।

वारदात को अंजाम देने के बाद नक्सलियों ने सड़क पर कई पर्चे छोड़ रखे हैं। पचरें में लिखा है- सावधान, तुरंत यहीं रुक जाएं, आगे रोड पर बारूदी सुरंग लगा हुआ है, कोई भी ग्रामीण आगे नहीं बढ़ें, वापस यहीं से चले जाएं। इन पचरें से इलाके में दहशत है। जिन सड़कों में पर्चे हैं, वहां आवागमन लगभग ठप है।

नक्सलियों ने बड़ाजामदा ओपी थाना क्षेत्र के परमबाल जोड़ी गांव के जंगल जाने वाले रास्ते पर एक लाल रंग का कपड़ा लपेट कर एक बॉक्स सड़क पर छोड़ दिया है। जिस स्थान से लूट हुई है, वहां विस्फोटकों के खाली कार्टून बड़ी संख्या में बिखरे पड़े हैं।

चाईबासा के एसपी आशुतोष शेखर ने विस्फोटकों की लूट की घटना की पुष्टि की है।

उन्होंने कहा कि पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई है। नक्सलियों की गिरफ्तारी और विस्फोटकों की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी शुरू की गई है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को पुलिस बलों की तैनाती रामनवमी की शोभायात्राओं में सुरक्षा व्यवस्था के लिए की गई थी। नक्सलियों ने इसका फायदा उठाते हुए विस्फोटकों की लूट की घटना को अंजाम दिया। जिस कंपनी के भंडार पर धावा बोलकर विस्फोटकों की लूट हुई है,

आज से पेंशन स्कीम में होगा बड़ा बदलाव

» केन्द्रीय कर्मचारियों पर भी पड़ेगा असर

नईदिल्ली,31 मार्च 2023 (ए)। नेशनल पेंशन सिस्टम से जुड़े हैं तो ये खबर आपके काम की है। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण ने एनपीएस से बाहर निकलने के लिए ग्राहकों द्वारा कुछ दस्तावेज अपलोड किए जाने को अनिवार्य कर दिया है।

इससे एनपीएस से बाहर निकलने के बाद सालाना पेंशन भुगतान में तेजी आएगी और यह प्रक्रिया आसान होगी। यह नया नियम आगामी 1 अप्रैल 2023 से लागू होगा। मतलब ये कि 1 अप्रैल 2023 से दस्तावेजों को अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसका असर प्राइवेट या सरकारी, दोनों तरह के कर्मचारियों पर पड़ेगा।

विदड्रॉल फॉर्म,विदड्रॉल फॉर्म में पहचान और पते का प्रूफ, बैंक अकाउंट प्रूफ, एनपीएस कार्ड या परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर।

इस बात का ध्यान रखें कि जो दस्तावेज अपलोड हो रहे हैं वो पढ़े जाने योग्य हैं या नहीं। अगर ऐसा नहीं किया तो आपको दिक्कत हो सकती है। ये दस्तावेज उन लोगों को अनिवार्य रूप से अपलोड करना है, जो 1 अप्रैल, 2023 से समय पर एन्युटी आय की चाहत रखते हैं।

सासाराम में रामनवमी जुलूस के बाद पथराव

» 2 पुलिसकर्मी जख्मी

» आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त, धारा 144 लागू

सासाराम ,31 मार्च 2023 (ए)। सासाराम के नगर थाना के नवरतन बाजार, गोला रोड समेत कुछ अन्य मोहल्लों में शुक्रवार को दो पक्षों के बीच झड़प होने के बाद जमकर पथराव हुआ, जिसमें दो पुलिसकर्मी बुरी तरह जख्मी हो गए। आधा दर्जन से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं कुछ दुकानों में आगजनी होने व फायरिंग की जाने की बात भी कही जा रही है। हालांकि, जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। इन मोहल्लों में डीएम धर्मेंद्र कुमार और एसपी विनीत कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी कैंप कर रहे हैं। एसडीपीओ संतोष कुमार ने बताया कि झड़प व पथराव की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। यह घटना रामनवमी जुलूस समाप्त होने के बाद घटी है। हालांकि, पुलिस घटना के सभी

बिंदुओं पर जांच कर कार्रवाई में जुट गई है। अराजकतत्वों और अफवाह फैलाकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वहीं सासाराम एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शहर में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 अगले आदेश तक लागू कर दी गई है। इससे पहले दिनारा में भी दो पक्षों में झड़प हुई थी, जिसमें पुलिस ने चार नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि गुरुवार को लगभग तीन बजे जुलूस निकलने के ठीक पहले कुछ असामाजिक तत्व मोटरसाइकिल पर भगवा झंडा लगाकर आपत्तिजनक नारा लगा रहे थे, जिसका दूसरे पक्ष ने वीडियो बना लिया और विरोध किया। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर सुरक्षाकर्मी पहुंचे और मामले को शांत कराया।

घटना पर मुख्य पार्षद के पति व सामाजिक कार्यकर्ता रूपेश सिंह ने बताया कि जुलूस निकालने के पहले चार युवक मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहे थे। इसी बीच कुछ लोगों ने उन्हें रोककर अभद्र व्यवहार किया और मोटरसाइकिलों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

संपादकीय

विपक्ष की कितनी बैठक होगी?

कांग्रेस पार्टी की ओर से विपक्षी नेताओं को एक करने के लिए उनकी बैठक करने की पहल हुई है। अप्रैल में यह बैठक हो सकती है। लेकिन सवाल है कि विपक्ष की कितनी बैठकें होंगी? कितने नेता विपक्ष की एकता की पहल करेंगे और किसकी पहल को केंद्रीय पहल माना जाएगा? ध्यान रहे तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली में हैं और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। उनकी पार्टी के सांसद विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगे हैं। उनके दो दिन के प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा विपक्षी पार्टियों को शामिल करने का प्रयास हो रहा है। वे खुद सपा के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, बीजू जनता दल के प्रमुख और ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी से मिली हैं।

भारत राष्ट्र समिति के नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अलग विपक्षी नेताओं की बैठक की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने तमाम विपक्षी पार्टियों को न्योता भेजा है। बताया जा रहा है कि 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर इन नेताओं की मुलाकात हो सकती है। वे काफी समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं। इस मौके पर एक बड़ी रैली भी हो सकती है। तीसरे नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं। उन्होंने भी सभी विपक्षी पार्टियों को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने तमाम विपक्षी मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें से आठ मुख्यमंत्री उनके साथ बैठक के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि यह राजनीतिक नहीं, बल्कि गवर्नेंस की बैठक होगी। लेकिन सबको पता है कि चाहे किसी नाम से मिलें लेकिन अंतिम मकसद राजनीतिक तालमेल बनाना है। इस तरह कांग्रेस के अलावा तृणमूल कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी भी विपक्षी बैठक की तैयारी में हैं।

बुद्धि और विवेक के बिना धर्म अंधा है तो श्रद्धा और विश्वास के बिना निष्प्राण

विज्ञान और धर्म के संबंध में सामान्य रूप से कह दिया जाता है कि विज्ञान तो तर्क, बुद्धि और विवेक पर आधारित है जबकि धर्म का आधार आस्था और विश्वास है। इस प्रकार बुद्धि-विवेक और आस्था-विश्वास को विरोधी मानने वाले लोग विज्ञान और धर्म को भी परस्पर विरोधी करार देते हैं। वहीं धर्म के नाम पर पाखंड और धंधे करने वाले लोग, जिन्हें तुलसीदास जी ---धींग धरमध्वज धंधक धोरी कहते हैं, आस्था-विश्वास के नाम पर अपने स्वार्थ साधने के लिए कुछ भी अनर्गल करना शुरू कर देते हैं। इसी का परिणाम है कोई धर्म के नाम पर हरी चटनी और समोसा खिला रहा है, कोई अपने धाम पर हर सप्ताह आने का आदेश दे रहा है, कोई सोशल मीडिया से आपकी जानकारी एकत्र करके आपको ही बताकर चमत्कारी होने का दावा कर रहा है और कोई लाखों की भीड़ इकट्ठी करके अभिमंत्रित वस्तुएँ बॉट रहा है और भीड़ इसी को धर्म मानकर भेड़चाल में शामिल हो रही है।

पाश्चात्य परम्परा में रीजन (तर्क) और फेथ (विश्वास) को विरोधी माना जाता है परंतु सनातन दर्शन में बुद्धि और विश्वास परस्पर विरोधी नहीं हैं बल्कि पूरक हैं। जीवन में समय और परिस्थिति के अनुसार दोनों का अपना स्थान है ।

पहले हम विज्ञान के क्षेत्र में विचार करें। वैज्ञानिक, प्रकृति की किसी घटना को देखता है और उसके कारण पर विचार करके किसी सिद्धांत की कल्पना करता है और विश्वास करता है कि उसके द्वारा परिकल्पित किया गया सिद्धांत सही है, फिर तर्क, बुद्धि और विवेक का प्रयोग करते हुए उसकी पुष्टि वैज्ञानिक प्रयोगों और प्रकृति की घटनाओं के निरीक्षण के द्वारा करता है और तब उस पर दृढ़ विश्वास करता है। उदाहरण के लिए आइंस्टीन ने सापेक्षिता के सिद्धांत की कल्पना की और सोचा कि देश और काल (स्पेश एंड टाइम) गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से वक्र (कर्वेचर) हो जाता है। उन्होंने इस पर लम्बा शोध किया और गणितीय रूप से इसे सिद्ध किया। इसके बाद सैकड़ों वैज्ञानिकों ने ब्रह्माण्डीय घटनाओं का निरीक्षण करके इस सिद्धांत की पुष्टि की । यदि आइंस्टीन को अपने सिद्धांत की सत्यता पर विश्वास नहीं होता तो वह आगे काम करते ही क्यों मैडम क्यूरी को रेडियोधर्मिता की खोज को लेकर विश्वास न होता तो वह अपने जीवन को खतरे में डालकर वर्षों तक अनुसंधान कैसे कर पातीं इस प्रकार विज्ञान में साधारण विश्वास करना, फिर बुद्धि-विवेक से उसका परीक्षण करना और इसके बाद प्रयोगों से पुष्टि होने पर उस नियम में दृढ श्रद्धा का स्थान आता है।

धर्म भी ऐसा ही है। इसमें भी विवेक-बुद्धि के बाद ही श्रद्धा-विश्वास का स्थान आता है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा है ''शास्त्र के कथनों पर भी अंधविश्वास करना ठीक नहीं है। अपनी विचार शक्ति का प्रयोग करके देखना चाहिए कि शास्त्र में जो लिखा है वह सत्य है या नहीं । जिस तरह भौतिक विज्ञानों में प्रयोग करके सीखते हैं इसी प्रकार धर्म को भी जीवन में प्रयोग करके सीखना होगा।''

सनातन धर्म के ऋषियों ने कभी भी शिष्यों की तर्क-बुद्धि की उपेक्षा करके उनसे अन्धविश्वासी या मूढ़ भक्त होने का आग्रह नहीं किया। विश्व के किसी भी अन्य धर्म में शिष्य को गुरु से प्रश्न करने या असहमत होने की स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह स्वतंत्रता केवल सनातन धर्म में है। गीता में अर्जुन ने कृष्ण को भगवान् जानने के बाद भी प्रश्न-प्रतिप्रश्न किये और कृष्ण ने भी विस्तार से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया। शंकराचार्य जी कहते हैं कि ''शास्त्र व गुरु के वचनों में वह विश्वास जिसके द्वारा सत्य का ज्ञान होता है श्रद्धा कहलाता है।'' इस प्रकार श्रद्धा, अंधविश्वास नहीं है वरन् बुद्धि की वह सामर्थ्य है जिसके द्वारा सत्य का ज्ञान होता है।

एक सामान्य उदारहण लें। हम किसी होटल में जाते हैं तो प्रारंभिक रूप से यह विश्वास करके जाते हैं कि भोजन स्वादिष्ट होगा। जब भोजन करते हैं (डायरेक्ट एक्सपीरिएंस) तब निष्कर्ष निकालते हैं कि हमारा विश्वास सही था या नहीं। यदि हम प्रत्येक होटल पर शंका ही करते रहें कि कहीं इसने खाने में जहर तो नहीं मिला दिया होगा तो हम कहीं खाना ही नहीं खा पांगे। कहीं तो प्रारंभिक विश्वास करना होगा। परंतु भोजन करे बगैर ही मान लें कि होटल का खाना अत्यंत स्वादिष्ट है तो यह अंधविश्वास होगा।

जैसे भोजन करना जरूरी है परंतु यह नहीं हो सकता कि सदैव भोजन ही करते रहें इसी प्रकार शंका जरूरी है पर सदैव शंकालु नहीं रह सकते, विश्वास जरूरी है पर अंधविश्वासी नहीं हो सकते । सामान्य रूप से धर्म के नाम पर फैली कुरीतियों का बचाव करने के लिए कहने लगते हैं कि धर्म तो श्रद्धा विश्वास का विषय है। किसी भी तर्कपूर्ण बात को आस्था पर आक्रमण मान लिया जाता है। सत्य दोनों के बीच में है। जीवन में आस्था-विश्वास का उतना ही महत्व है जितना बुद्धि-विवेक का। न कोई कम है न कोई ज्यादा। बस समय के अनुसार दोनों का रोल बदलता रहता है।

गीता में जहाँ एक ओर कहा है कि ङ्क अज्ञानी, श्रद्धाहीन और संशय करनेवाला नष्ट हो जाता है - अज्ञश्चाश्रद्दधानश्च संशयात्मा विनश्यति (4.40), वहीं यह भी कहा है कि श्रद्धावान् को ज्ञान मिलता है श्रद्धावान लभते ज्ञानम् (4.39), बुद्धि का आश्रय ग्रहण करने की शिक्षा दी है बुद्धौ शरणमन्विच्छ (2.49)। बुद्धि के बारे में कई स्थानों पर गीता कहती है ददामिबुद्धियोगम् (10.10), बुद्धियोगमुपाश्रित्य (18.57) आदि। सनातनधर्म के हर महापुरुष ने जहाँ एक ओर श्रद्धा का अवलंबन किया वहीं दूसरी ओर उच्च कोटि के बौद्धिक चिन्तन का परिचय दिया। धर्म के बारे में सारी विसंगतियों की जड़ है बुद्धि-विवेक और श्रद्धा-विश्वास के बीच भ्रमित रहना। एक अवस्था आती है जब ईश्वर को तर्क बुद्धि से परे जान लिया जाता है। तुलसीदास जी के शब्दों में ''राम अतर्क्य बुद्धि मन बानी''। परंतु यह बाद की अवस्था है जब बुद्धि-विवेक का उपयोग करके राम को अनुभव में उतार लिया जाता है। तब दृढ़ श्रद्धा और विश्वास होता है जिसे शंकर और पार्वती के समान उपमा दी गई है भवानीशंकरौ वन्दे श्रद्धाविश्वासरूपिणौ।

इसी प्रकार धर्म की यात्रा भी गुरु या शास्त्र के कथनों पर प्रारंभिक विश्वास से प्रारंभ होकर तर्क, बुद्धि और विवेक के सहारे आगे बढ़ती है । जैसे ही अनुभव (डायरेक्ट एक्सपीरिएंस) की शुरूआत होती है वैसे ही श्रद्धा और विश्वास का रोल शुरू हो जाता है। विडम्बना यह है कि धर्म की नर्सरी में प्रवेश लेते ही श्रद्धा और विश्वास की बात कहनेवाले वैसे ही हैं जैसे पहली कक्षा का विद्यार्थी अक्षरज्ञान सीखने की जगह पीएचडी की थीसिस लिखने की बात करने लगे। इसलिए धर्म, अंधविश्वास और कुरूतियों में बदल जाता है। बिना प्रारंभिक विश्वास के कोई कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सकता और व्यक्तिगत अनुभव के बिना विश्वास में दृढ़ता नहीं आती। धर्म प्रश्न करने से शुरु होता है और बुद्धि-विवेक के प्रयोग द्वारा स्वयं उत्तर प्राप्त करने के बाद दृढ़ श्रद्धा-विश्वास पर समाप्त होता है। अधर्म उत्तर से शुरू होता है और अंधविश्वास पर समाप्त होता है। बस इस अंतर को समझ लें तो पहचान सकेंगे क्या धर्म है और क्या नहीं। कौन संत है और कौन धंधक धोरी। सारा जीवन बुद्धि-विवेक और श्रद्धा-विश्वास के संतुलन पर टिका है। बुद्धि-विवेक सीढ़ी है तो श्रद्धा-विश्वास मंजिल। बिना सीढ़ी के मंजिल पर नहीं पहुँचा जा सकता। इसलिए धर्म के क्षेत्र में भी बुद्धि-विवेक प्रथम शर्त है तभी शंकर-पार्वती रूपी श्रद्धा-विश्वास प्राप्त होते हैं ।

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

मन पर नियंत्रण

सब पर नियंत्रण चाहते हैं
मन पर नियंत्रण चाहे न कोई
अपने मन पर नियंत्रण रखते नहीं
अन्तरात्मा चाहे बेशक रहे सोई
दूसरे से उम्मीद करते है गाली न दे
खुद गालियां देते हैं हज़ार
शिक्षा देते हैं दूसरों को झूठ न बोलें
खुद करते हैं झूठ का ही व्यापार
मुंह में राम होता है
बगल में दबाये रखते हैं छुरी
विश्वासघात करते हैं हमेशा
यह आदत है बहुत बुरी
लालच बहुत है मन में
थोड़े से पेट नहीं है भरता
बेईमानी को अपना लिया
ज़िन्दगी में
क्यों ईमानदारी के
काम नहीं हैं करता
बेईमानों के ठाठ देखकर
चंचल मन ललचाता है
कर्मयोगी सच्चा वही है
जो मन पर काबू रख पाता है
मन पर काबू जिसने रखा
कष्टों से छुटकारा पाया
मोहमाया में जो भी उलझा
सुखचैन उसने अपना गंवाया

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

दुखो का आना उसकी इनायत है

दुखो का आना उसकी इनायत है
सुख-दुख दोनों हमारे आसपास है
दोनों ही इस जग मे बहुत खास है
आगे पीछे आना इसकी आदत है
दुखो का आना उसकी इनायत है
आना जाना जब पहले से तय है
हर गम के लिए पहले से सज्य है
सुख-दुख भी उसी की महोब्बत है
दुखो का आना उसकी इनायत है
सुख-दुख दोनों ही करनी फल है
इस सम रहकर सहना ही हल है
सहने की अब तो बनानी आदत है
दुखो का आना उसकी इनायत है
गम की बदली भी छायेगी कभी
बसंत से बहार भी आयेगी कभी
एकदूजे के पीछे आने की आदत है
दुखो का आना उसकी इनायत है
सुख-दुख मे सम रहकर जीते है
दोनों ही अच्छे है सहकर जीते है
जो आता,उसे जाने की आदत है
दुखो का आना उसकी इनायत है

प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे
मंडला,
मध्यप्रदेश

अविनाशी है जय श्री राम

जन में राम, मन में राम
तन के रोम रोम में राम
जल में राम, थल में राम
पृथ्वी के कण-कण में राम
जो है सब के, घट के वासी
अविनाशी है जय श्री राम
पतित पावन जय सियाराम।
त्याग समर्पण अवध दुलारे
दया प्रेम करुणा के सागर
पितृ भक्ति के उज्वल नायक
भ्रातृ प्रेम की अमृत गागर
राजीव लोचन, कौशल्या सुत
दशरथ नंदन है पुरुषोत्तम
अविनाशी है जय श्री राम
पतित पावन जय सियाराम।
गुरु आज्ञा का पालन करने
वन को गए, लिए धनु बाण
निशिचर सारे मार गिराये
बचा लिए ऋषि मुनि के प्राण
खींच प्रत्यंचा शिव धनुष तोड़ा
परशुराम को किया प्रणाम
अविनाशी है जय श्री राम
पतित पावन जय सियाराम।
पाहन बनी थी, गौतम नारी
पद रज से श्रीराम ने तारी
वनवासी को सखा बनाया
केवट नौका पार उतारी
राम लखन संग कुटिया आए
झूठे बेर शबरी के खाए
अविनाशी है जय श्री राम
पतित पावन जय सियाराम।

निलेश जोशी
विनायका
बाली, पाली,
राजस्थान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बच्चों में बढ़ती अनुशासनहीनता

आज से 50 या 60 साल पहले बच्चों के हंसते, खेलते, मुस्कुराते, मासूम, भोले भाले चेहरे देखकर मन खुश हो जाया करता था! गर्भवती माताएं कृष्ण जी के बचपन की फोटो अपने शयन कक्ष में लगाकर श्री कृष्ण जी की तरह नटखट और गुणी संतान पैदा होने के ख्वाब देखा करती थी और वैसे भी बचपन मनुष्य के जीवन का वह सुनहरी मांजर है जब चिंता , फिक्र, डर नाम की कोई चीज नहीं सताती। माता पिता तथा बड़ों के होते हुए बच्चे मौज करते हैं। लेकिन आजकल बच्चों में ऊपर लिखी गई बातें कहीं भी देखने को नहीं मिलती। आजकल के बच्चे गुस्सैल, जिद्दी, मनमानी करने वाले, कामचोर, चालाक, झूठे, बेईमान, फिजूल खर्च, लापरवाह तथा माता पिता तथा मित्रों से बातें छुपाने वाले देखने को मिलते हैं। लगभग हर मां को अपने बच्चे के बारे में यह शिकायत जरूर सुनने को मिलती है..... मेरे बच्चे को गुस्सा बहुत आता है..... मेरा बच्चा मेरे कहने से बाहर है..... आदि आदि! बच्चों में जो अनुशासनहीनता की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है उसे देखकर लगता तो नहीं ऐसे बच्चे बड़े होकर समाज या देश हित के लिए कोई काम करेंगे , कर्तव्यनिष्ठ तथा इमानदार होंगे। क्या हमारे देश का भविष्य इस प्रकार के बच्चों के बड़ा होने पर सुरक्षित समझा जा सकता है? इस बात पर शक है।

अब पूछा जा सकता है कि आज के समय में बच्चों में अनुशासनहीनता, आपराधिक प्रवृत्ति, हिंसा, झूठ, कपट, फिजूलखर्ची आदि बातें क्यों बढ़ती जा रही हैं! आज का बच्चा मासूम, भोला, मुस्कुराते हुए चेहरे वाला क्यों नहीं है! अगर इस कटु सत्य का विश्लेषण किया जाए तो शायद हमारे में से अधिकांश माता पिता या बुजुर्ग मन ही मन में इसको मानतो लेंगे लेकिन अब सुधार के लिए बहुत देर हो चुकी है! यह बात सर्वविदित है कि घर को ही नागरिक जीवन की प्रथम पाठशाला कहा जाता है। बच्चा बचपन से ही जिस तरह अपने माता-पिता, बड़े भाई बहनों आदि को जैसा व्यवहार करते हुए देखता है उसकी छाप उसके दिमाग पर पड़ जाती है और वह उसी तरह करने लग जाता है। अधिकांश घरों मैं आजकल पति पत्नी एक दूसरे के साथ ईगो की लड़ाई लड़ रहे हैं, एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं, एक दूसरे पर विश्वास नहीं करते, बहुत बार दोनों में हाथापाई भी हो जाती है, गाली गलौज, पत्नी का रूठ कर मायके चले जाने की धमकी और पति का अन्य औरत के साथ गैरकानूनी रिश्ता आदि बातें आम होने लगी हैं। पति पत्नी एक दूजे का कहना नहीं मानते। एक दूसरे से झूठ बोलते हैं, बहुत सारी बातें एक दूसरे से छुपाते हैं। अगर पति पत्नी दोनों कामकाजी हैं तो कमाई हुई आमदनी को अपने अपने बैंक खाते में जमा रखते हैं, उन दोनों में एक दूसरे का सम्मान करना, अपने आप को संयम में रखना, एक दूसरे के रिश्तेदारों का मान सम्मान करना, घर में काम में एक दूसरे की सहायता करना आदि बातें देखने को नहीं मिलती। अब जब बच्चे अपने घर में ही इन बातों को देखते हैं तो उन पर इनका असर हुए बिना नहीं रह सकता। कई बार पति पत्नी की आपस में नाराजगी होती है, जो कि वह निकाल नहीं सकते। उनके मन में एक दूसरे के प्रति क्रोध तथा ईर्ष्या होती है जिसके कारण बच्चों को वो बिना कारण के पीट देते हैं। बच्चा समझता है कि उसका कोई कसूर नहीं था फिर भी उसकी पिटाई हो गई। इसी कारण उसके मन में भी हिंसक प्रवृत्ति के बीज बोए जाते हैं। बच्चों की अनुशासनहीनता का मुख्य कारण घर का वातावरण ही होता है।

इसके अलावा बच्चा जब अपने स्कूल में जाता है तो वह बहुत सारे बिगड़ैल बच्चों के संपर्क में आता है जोकि चोरी करते हैं झूठ बोलते हैं, होमवर्क ना करने के बहाने बनाते हैं, अपने माता-पिता की उनकी हैसियत को ध्यान में रखकर शिक्षकों का मान सम्मान नहीं करते बल्कि उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं। कई बार बच्चों में अनुशासनहीनता इसलिए भी आती है क्योंकि कुछ अध्यापक बच्चों के साथ व्यवहार करने में तथा उनको नंबर देने में भेदभाव करते हैं। इससे बच्चे के मन में अध्यापक के प्रति दुर्भावना पैदा हो जाती है और कई बार वह अनुशासन को भूलकर दुर्व्यवहार कर बैठता है। इतना ही नहीं आजकल के कुछ बच्चे गलत सोहबत में पड़कर अपराधिक गतिविधियां तथा मादक पदार्थों का सेवन भी करने लगे हैं जिससे बड़े होकर उनके पथभ्रष्ट होने का रास्ता खुल जाता है।

बच्चों में अनुशासनहीनता तथा पथभ्रष्ट होने का एक मुख्य कारण मोबाइल फोन की बढ़ती रुचि भी है। आज जिसे भी देखो मोबाइल मैं व्यस्त है। कोरोना काल में अधिकांश शिक्षा संस्थाएं बंद थी। लेकिन बच्चों की पढ़ाई मोबाइल के द्वारा ऑनलाइन तरीके से हुआ करती थी। इसके अनुसार माता पिता के लिए बच्चों को एंड्राइड मोबाइल उपलब्ध कराना जरूरी हो गया। आजकल तो स्कूल वाले बच्चों के द्वारा किए जाने वाले होमवर्क को भी मोबाइल की मार्फत भेजने लगे हैं, इतना ही नहीं मोबाइल के द्वारा बच्चों की ऑनलाइन परीक्षाएं भी होने लगी हैं और परीक्षा परिणाम भी भेजे जाने लगे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में मोबाइल का घर जाना बच्चों के लिए इतना उपयोगी नहीं जितना कि उनमें अनुशासनहीनता तथा मोबाइल में बच्चों के लिए वर्जित ऐप खोलकर दिमागी उथल-पुथल पैदा करने वाली चीजें देखने से सत्यानाश करना होता है। बच्चे घंटो घंटो मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, बच्चों के लिए वर्जित सामग्री देखते हैं, गेम खेलते हैं, इस बीच अगर उनसे मोबाइल ले लिया जाए तो वह ऐसे समझते हैं जैसे कि उनके साथ बहुत बड़ी बे इंसाफी कर दी गई हो। वह ऐसे में माता पिता के साथ बहुत ही बदतमीजी से पेश आते हैं और उनमें अनुशासनहीनता देखी जा सकती है।

आजकल के बच्चों में अनुशासनहीनता का एक कारण समाज मे फैली अनैतिकता, स्वार्थ सिद्धि, पाखंड, धोखा, फरेब, हेरा फेरी, बेईमानी, राजनीतिक आदि बातें भी जिम्मेवार हैं। बच्चा समाज में जो कुछ देखता है उसका प्रभाव और उसकी सोच तथा गतिविधियों पर पड़ता है। आज के बच्चे समय से पहले ही परिपक्व हो जाते हैं और सभी बातें समझने लगते हैं। जब सब तरफ अनुशासनहीनता, बेईमानी, भ्रष्टाचार, हत्या, हिंसा, बलात्कार, राहजनी, छीना झपटी आदि बातें हो रही होंगी बच्चा इनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। ऐसे में माता-पिता की उम्र भर की कमाई इनके ऊपर खर्च करने से बर्बाद तो जाती ही है, उनकी बच्चों से अपेक्षाएं कभी पूरी हो पाती और बच्चे भी पथभ्रष्ट होकर गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं।

आखिरकार बच्चे तो बच्चे ही होते हैं। इन्हें हम अनुशासनहीनता के कुएं में कैसे गिरने दे सकते हैं। वक्त रहते इन्हें संभालना, समझाना तथा बल प्रयोग आदि तरीके इस्तेमाल करने होंगे। अगर माता पिता स्वयं बच्चे के सामने आदर्श चरित्र पेश करेंगे तो बच्चे श्री रामचंद्र जी, श्रवण कुमार आदि के तौर पर आचरण करेंगे, अगर राजनेता, व्यापारी, उत्पादक, अध्यापक, समाजसेवी लोग, धार्मिक गुरु आदि माता पिता तथा बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाएंगे, ईमानदारी, परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठता, आज्ञाकारी होने, कानून की पालना करने आदि पाठ पढ़ाएंगे तो बच्चों में धीरे-धीरे अनुशासन का पाठ पढ़ना ही नहीं बल्कि उस पर अमल करने की आदत भी शुरू हो जाएगी। और बच्चों को आप पहले की तरह मासूम, भोला, मुस्कुराते चेहरे वाला, ईमानदार तथा आज्ञाकारी ही पाएंगे! पढ़ाई के समय पढ़ाई और खेलने के समय बच्चों को खेलने देना चाहिए! इंडोर गेम ही नहीं बल्कि आउट डोर गेम खेलने से भी बच्चों में अनुशासन की भावना पैदा होती

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक (हरियाणा)

नारीवाद, भारतीय महिला और पवित्रता

मूल तौर पर, भारतीय महिलाएं, यहां तक कि महिलाओं के अधिकारों और समानता की समर्थक भी, नारीवादी शब्द का विरोध करती हैं, जो अक्सर आक्रामकता, यौन अनुमति, निर्लज्जता और स्त्री गुणों की कमी से जुड़ा होता है; नारीवादियों को मातृत्व, पारिवारिक मूल्यों और पुरुषों के खिलाफ माना जाता है। कई लोगों के लिए नारीवाद की छवि शास्त्रों में परिभाषित हिंदू समाज में आदर्श महिला की छवि से सीधे तौर पर बहुत अलग है। यहां तक कि फिल्म निर्माता, लेखक और कलाकार भी जिनके काम का उद्देश्य पुरुष विशेषाधिकार और सेक्सिस्ट व्यवहार को बढ़ावा देना है, अक्सर नारीवादी लेबल को अस्वीकार करते हैं।

जब दुनिया भर में ऐतिहासिक शहरों के निर्माण के साथ समाज के पदानुक्रम का निर्माण शुरू होता है, तो ऐसे सामाजिक विकास का परिणाम आम तौर पर महिलाओं के अधिकारों के प्रतिबंध में होता है। और भारत इसका अपवाद नहीं था, जहाँ महिलाओं को अधिक से अधिक परिवार और पति के अधीन किया जाने लगा और स्वतंत्र अभिनेताओं के रूप में उनकी भूमिका खोने लगी। लेकिन जैसे ही शुरुआती शहरी काल फलित हुआ, महिलाओं ने भक्ति आंदोलनों में प्रत्यक्ष अभिनेताओं के रूप में भाग लेना शुरू कर दिया और वहां महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक अच्छा उदाहरण कराइक्कल अम्मैय्यर है, जो 63 शैव संतों में से पहले बने। इस तरह के आंदोलनों ने महिलाओं के लिए आध्यात्मिक समानता की ओर इशारा किया और, हालांकि महिला संत महिलाओं के लिए सामाजिक बाधाओं के नियम के अपवाद हैं, वे आधुनिक युग तक कई शताब्दियों तक प्रमुख और असंख्य थे। एक से अधिक आंदोलन, जैसे 11वीं शताब्दी में कर्नाटक के वीरशै वास, ने महिलाओं के लिए आध्यात्मिक समानता और आध्यात्मिक नेतृत्व तक समान पहुंच का आह्वान किया। 15वीं शताब्दी में शुरू हुए सिखों ने भी इसी तरह के विचार रखे और उत्तर भारत के संत-कवियों ने सीधे तौर पर इस धारणा पर सवाल उठाया कि आध्यात्मिक विकास या उपलब्धि को निर्धारित करने में लिंग की कोई भूमिका होनी चाहिए। जब 18वीं से 20वीं शताब्दी में आधुनिकता सामने आती है और बाल विवाह, दहेज, विधवा पुनर्विवाह पर प्रतिबंध, और निःसंतान पत्नी द्वारा अपने से बड़े पति की चिता पर खुद को जलाने की प्रथा जैसी परंपराओं को मौलिक रूप से बदल देती है। इस बात पर जोर देना महत्वपूर्ण है कि महिलाओं पर इन नकारात्मक सांस्कृतिक प्रतिबंधों का आधुनिक भारत का कानूनी सुधार पूरा हो गया था, भले ही कानूनी कार्रवाइयों ने इन समस्याओं को पूरी तरह से हल नहीं किया है। उत्पीड़न के इतिहास को सिर्फ कानूनों के पारित होने से रातोंरात हल नहीं किया जा सकता है, लेकिन ये साहसिक कानूनी उपाय एक उत्तर-औपनिवेशिक, स्वतंत्र राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हैं।

महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए आधुनिक सुधार आंदोलन पहली बार 19वीं शताब्दी में उठे, जब देश ब्रिटिश साम्राज्यवादी शासन के तहत विश्व सभ्यता की मुख्यधारा में प्रवेश कर गया था। महिलाओं और पुरुषों दोनों ने महिलाओं के जीवन की स्थितियों में सुधार के लिए मिलकर काम किया। सुधार बंगाल और महाराष्ट्र में सबसे मजबूत थे और महिलाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता के बजाय परिवार और समाज के आदर्शों पर ध्यान केंद्रित करते थे।

1970 के दशक में भारत में एक नया महिला आंदोलन उभरा, जो किसी भी राजनीतिक दल से अलग था और विदेशी या सरकारी फंडिंग से प्रभावित नहीं था। मुख्य रूप से महिला स्वयंसेवकों से बनी, इन महिलाओं ने महिला विरोधी पहलुओं को उजागर करने, अपने शरीर और कामुकता पर महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने और घरेलू हिंसा के लिए सहिष्णुता को कम करने की मांग की है। उन्हें न केवल राष्ट्रवादी तत्वों के खिलाफ बल्कि महिलाओं के उत्पीड़न पर चर्चा करने के लिए वामपंथी प्रतिरोध के खिलाफ भी संघर्ष करना पड़ा है।

1990 के दशक की शुरुआत से उदारीकरण और वैश्वीकरण के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था के खुलने ने भारत में नारीवादी आंदोलन के दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। विदेशी सहायता से वित्त पोषित विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों ने महिला आंदोलन की कुछ मांगों में रुचि दिखाई है।

हिंदू महिलाओं के सामने हर समय स्त्री परमात्मा होता है, क्योंकि हिंदू परंपरा देवी की पूजा को संरक्षित करती है, जो शायद नवपाषाण काल से चली आ रही है। कई दिव्य कथाएं मर्दाना पर परमात्मा के महिला पहलू की सर्वोच्चता को बताती हैं। इस पहुँच के माध्यम से, महिलाओं को होने और असर करने की शक्ति प्राप्त होती है; फिर भी, सामाजिक क्षेत्र में, महिलाओं को आमतौर पर शक्तिशाली देवी-देवताओं को खुले तौर पर प्रतिबिंबित करने की स्वतंत्रता नहीं दी गई है। हिंदू समाज में अक्सर एक आदमी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उसकी बहन या पत्नी ÷देवी÷ है और इसलिए, उसके साथ अच्छा व्यवहार और सम्मान किया जाना चाहिए। हालाँकि, सामाजिक परिस्थितियाँ, भारतीय महिलाओं के महत्वपूर्ण उत्पीड़न का समर्थन करती हैं, विशेषकर निम्न सामाजिक स्थिति की।

जैसा कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में होता है, भारत में महिलाएं सदियों से मिथकों और कहानियों और सरल धार्मिक प्रथाओं की मुख्य सांस्कृतिक संवाहक रही हैं। जबकि इतिहास महान पुरुष स्वामियों और शिक्षकों के जीवन को दर्ज करता है, हिंदू महिलाओं की प्रार्थनाओं, प्रतिज्ञाओं और भक्ति के बारे में बहुत कम दर्ज किया जाता है, जो दिव्य मध्यस्थता और सहायता मांगकर अपने परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने का कार्य करती हैं। फिर भी, यह महिलाओं द्वारा किया जाने वाला यह एकीकृत कार्य है जो रोज़मर्रा की दुनिया को लौकिक व्यवस्था से जोड़ता है। जबकि पुरुष, मुख्य रूप से, दर्शन और आंदोलनों को विकसित करने के लिए स्वतंत्र थे, महिलाएं, अधिक सीमित भूमिकाओं में मजबूर, रचनात्मक रूप से ब्रह्मांड की ताकतों तक अपने प्रियजनों को संरक्षित करने और उनकी रक्षा करने और एक सामंजस्यपूर्ण और फलदायी समाज प्रदान करने के लिए पहुंचीं। उच्च आध्यात्मिक लाभ के लिए अपना त्याग करने वाले प्रत्येक घुमंतू सन्यासी के लिए, कोई भी, हजारों अलग-अलग महिलाओं की गिनती कर सकता है, जिन्होंने अपने आसपास के लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए व्रत, उपवास और अनुशासन का अभ्यास किया। शक्तिशाली धार्मिक और आध्यात्मिक अभिनेताओं के रूप में महिलाओं की यह भूमिका, हालांकि संस्कृति में मान्यता प्राप्त है, काफी हद तक अनभिज्ञ है। हिंदू परंपरा के इतिहास में महिला संतों की कमी उस एजेंसी को झुठलाती है जो सदियों से भारत के मंदिरों और घरों में महिलाओं ने निभाई है। यह एजेंसी समय के साथ हिंदू धर्म की निरंतरता के लिए केंद्रीय रही है।

सलिल सरोज
नयी दिल्ली

साठ की उम्र में भी फिट रहने के लिए महिलाओं को क्या करना चाहिए

अभी तो मैं जवान हूं... यह गाना आतेजाते उन महिलाओं के मुंह से सुनने को मिल जाता है, जो अमुक उम्र में पहुंच कर रिटायर्मेंट के बाद भी ऐक्टिव रहती हैं और फिटनेस के मामले में युवा वर्ग को भी टक्कर देती हैं। साठ की उम्र आते-आते लोग नौकरी से रिटायर्मेंट ले ही लेते हैं, इसी के साथ-साथ उनकी ऐक्टिविटी लेवल में भी ब्रेक लग जाता है।

ऐसे समय में सब से बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि शरीर को लंबे समय तक चुस्त और फुर्तीला बनाए रखने के लिए क्या करें? मात्र एक्सरसाइज ही नहीं, आप का अपने खुद के प्रति अभिगम भी आप को जवान रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

रूटीन बनाना जरूरी है

आपका आफिस जाना बंद हो जाने से आप का पूरा शिड्यूल बदल जाना स्वाभाविक है। इसके लिए अब आप एक नया शिड्यूल बनाएं और अपना रूटीन सेट करें। अधिकतर महिलाएं अचानक आए बदलाव के लिए मेंटली और फिजिकली तैयार नहीं होतीं और डिप्रेशन का शिकार हो जाती हैं। इसलिए खुद को व्यस्त रखने और क्रिएटिव कार्यों में लगाए रखना बहुत जरूरी है।

खानपान का ध्यान रखें

एक उम्र के बाद शरीर में तमाम बदलाव आते हैं और इस बात को कोई नकार भी नहीं सकता। अपने शरीर को समझें और इस बात को सकारात्मकता से स्वीकार करें। अपने खानपान का विशेष ध्यान रखें।

समय समय पर चेक कराएं

बिना भूले साल में दो बार रूटीन चेक जरूर कराएं। हेल्थ इज वेल्थ इस कहावत का महत्व इस उम्र में आप के लिए अधिक है। अपने स्वास्थ्य के साथ कभी भी किसी तरह का कम्प्रोमाइज न करें।

जॉगिंग करें

कसरत का इससे अच्छा ऑप्शन कोई दूसरा नहीं है। नियमित रूप से 20-30 मिनट लगातार चलती रहें। डाक्टर से सलाह ले कर वॉक-जॉग का भी प्रयोग कर सकती हैं। इसमें एक मिनट वॉक करना और एक मिनट जॉगिंग करना होता है। इससे आप की कार्डियोवास्क्युलर सिस्टम और स्नायु मजबूत रहेंगे।

हल्की कसरत करें

वाल पुशअप से छाती और कंधे मजबूत रहते हैं। दीवाल के सामने खड़ी हो कर यह कसरत कर सकती हैं। पर एक बात का खास ध्यान रखें कि जितना आप हो सके उतना ही करें।

कंधों की स्ट्रेचिंग

कंधे आगे की ओर झुक न जाएं, इसके लिए कंधे को स्ट्रेच करें। ऐसा करने से बॉडी को भी आराम मिलेगा और कंधे भी नहीं झुकेंगे।

स्नेहा सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

CMYK

सरगुजा के कई क्षेत्रों में हुई ओलावृष्टि,तापमान में भी आया गिरावट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा में आगामी बीते सप्ताह में मौसम खराब रहने के बाद पुनः पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बदलाव आया है। एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण पश्चिम राजस्थान के ऊपर 1.5 किमी तक विस्तारित है। एक द्रोणिका, हवा की अनियमित गति मध्य -मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग से दक्षिण तमिलनाडु तक 0.9 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। विक्षोभ की सक्रियता के कारण सरगुजा संभाग में भी गुरुवार की शाम जगह-जगह तेज आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं शुक्रवार की सुबह भी झमाझम बाहरश हुई। बारिश होने के बाद सुबह 9 बजे के बाद मौसम साफ हो गया और तेज धूप निकली। इसके साथी ही दोपहर करीब 3.30 बजे से एक बार फिर आसमान में घने बादल छाए और 17.6 मिली मिटर बारिश हुई। बारिश के साथ-साथ मैनपाट सहित सरगुजा संभाग के कई इलाकों में जमकर ओलावृष्टि हुई। मैनपाट, लखनपुर क्षेत्र में व्यापक रूप से ओलावृष्टि होने से सडक़ पर बर्फ की चादर बिछ गई। बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि होने से रवि फसल के साथ-साथ सब्जी की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। ओलावृष्टि के कारण खेत में लगे गेहूं की फसल बर्बाद हो गए हैं। वहीं खेत में लगी सब्जी को भी नुकसान पहुंचाया है। इसके साथ ही दलहन, तेलहन की फसल भी पक कर तैयार हैं। कुछ किसानों ने इसकी कटाई कर खलिहान तक पहुंचा चुका हैं तो कइयों किसानों का दलहन व तेलहन की फसल भी खेत में ही है। ओलावृष्टि होने से खेत में लगे फसल के साथ-साथ खलिहान में रखे हुए फसल को भी नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों को भारी नुकसान का अनुमान है।

रामनवमी पर कन्या भोज के साथ शिक्षण सामग्री का किया गया वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सेवा किटी द्वारा नवमी पर नई दिशा गंगापुर में कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षण सामग्री का वितरण किया। ब्रह्मकुमारी प्रमुख विद्या बहन के आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बीके विद्या बहन ने बालिकाओं को प्रेरणादायक कहानियों से जीवन की सफलता में सुरक्षित और सफल होने की शिक्षा दी। इस अवसर पर वन्दना दत्ता ने बालिकाओं को एक दूसरे के सहयोग और रक्षा करने के लिए प्रेरित किया। वहीं वरिष्ठ सदस्य सन्तोष पांडेय, नीलिमा गौयल, कुसुम विश्वकर्मा, लिलि बसु रॉय, बीके पार्वती, मीना वर्मा, गयात्री अग्रवाल, विमला अग्रवाल, स्मिता तिवारी, राजलक्ष्मी पांडेय, ममता चौहान, रानी कश्यप ने बालिकाओं को टिका लगाकर स्वागत किया। बालिकाओं ने एक स्वर में राज्यगीत की प्रस्तुति और नृत्य गीत प्रस्तुत किया। प्रभारी वर्षा उपगड़े ने सदस्यों का इस आयोजन के लिए आभार प्रदर्शित किया। सेवा किटी समूह ने नई दिशा के बालिकाओं को कुर्सियां एवं स्टील की थाली देने की सहमति दी। बालिकाओं की शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए हर सम्भव सहयोग देने की सहमति दी।

सहनपुर में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का किया गया भूमिपूजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सीजीएमएससी के अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह ने शुक्रवार को लुण्ड्रा ग्राम सहनपुर में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का भूमिपूजन किया। उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन करीब 28.5 लाख रुपये की लागत से निर्मित होगा। इस उप स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत लगभग 3000 से 5000 ग्रामवासियों को प्राथमिक उपचार एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सहनपुर में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की घोषणा की थी। घोषणा को अमल में लाते हुए सहनपुर में 28.5 लाख लागत राशि के नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष लुण्ड्रा श्री गंगा प्रसाद, सरपंच श्रीमती प्रमिला खाखा, बीएमओ डॉ0 इमरान, डीपीएम डॉ0 पुष्पेन्द्र राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आईजी ने अपराध एवं कानून व्यवस्था की ली समीक्षा बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा जारी निर्देश के परिपालन में पुलिस आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा रेंज के जिलों के पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों की वर्चुअल मीटिंग की कड़ी लगातर जारी रही। मीटिंग के दौरान आईजी द्वारा जिलों की अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विभिन्न बिन्दुओं पर त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए। उन्होंने समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सीआरपीसी के प्रावधानों तथा न्यायालयों के दिशा निर्देशों का पालन करने हेतु कहा। साथ ही सभी राजपत्रित अधिकारियों को थानों के मालखाना निरीक्षण कर जब्त माल का विधिवत निराकरण करने हेतु निर्देशित किए। मीटिंग के दौरान आईजी द्वारा सभी पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों निर्देश दिए कि लंबित अपराधों को समयावधि निर्धारित कर विधिवत निराकरण करें। जिलों में लंबित सभी पुराने गंभीर प्रकरणों विशेषकर- हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार, अपहरण एवं महिला व बच्चों संबंधी अपराध के प्रकरणों के निराकरण की ओर विशेष ध्यान देते हुए निकाल करना सुनिश्चित करें। इसी कड़ी में आईजी द्वारा

सरगुजा के लंबित अपराधों की विस्तृत चर्चा करते हुए बोले कि जिलों के थाना, चौकी में महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराधों में सतत विवेचना कराते हुए 60 दिवस के भीतर निराकरण कराने एवं अपराधों का 60 दिवस के समयावधि के भीतर निराकरण नहीं होने पर संबंधित विवेचक की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए। इसी प्रकार लंबित मर्ग जांच के प्रकरणों की समीक्षा विशेष रूचि लेकर प्रकरणों के त्वरित निराकरण करने हेतु कहा गया। समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) एमआर कश्यप एवं कार्यालय के रीडर उपस्थित रहे।

यातायात व्यवस्था सुदृढ करने के दिए निर्देश

आईजी द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं राजपत्रित अधिकारियों को उपरोक्त सामान्य निर्देश देने के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रेंज के अन्य जिलों के वर्चुअल मीटिंग के होने के उपरांत सरगुजा के लंबित अपराधों की समीक्षा बैठक कार्यालय के मीटिंग कक्ष में प्रारंभ की। शहर की व्यस्थम मार्गों की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने व आए दिन घटित हो रहे अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिला सरगुजा के वर्ष 2022 तथा उसके पूर्व के लंबित कुल 321 प्रकरण है जिसमे थाना कोतवाली अंबिकापुर के कुल 147 पेंडिंग मामलो की विधिवत समीक्षा करते हुए उन्होंने ने कहा की सभी लंबित प्रकरण निराकृत करने हेतु निर्देश दिए। साथ ही उनके द्वारा कहा गया की आप सब अपने जिला इकाई, अनुभाग में पेंडिंग मामले है उसे यथाशीघ्र निकाल करना सुनिश्चित करें।

स्थानांतरण पर उप निरीक्षक सरफराज फिरदौसी को कार्यमुक्त कर दी गई विदाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय से जारी स्थानांतरण आदेशानुसार उप निरीक्षक सरफराज फिऱ्दौशी को सूरजपुर स्थानांतरित होने पर जिला सरगुजा से कार्यमुक्त कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे विदाई समारोह आयोजित कर मोमेंटो प्रदान कर सम्मनित किया गया, साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर मे नवनिर्मित सभाकक्ष का उद्घाटन आज दिनांक को पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा किया गया।पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता ने विदाई समारोह के दौरान अपने उदबोधन मे कहा कि उप निरीक्षक सरफऱाज फिऱ्दौशी के द्वारा थाना मणिपुर मे थाना छेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं अपराधों के निराकरण मे बेहतर कार्य किया हैं,थाना मणिपुर मे ई मालखाना के बेहतर प्रबंधन हेतु उप निरीक्षक के कार्य की सराहना की गई, पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा उप निरीक्षक के आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनायें दी गई, एवं भविष्य मे बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया,वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा उप निरीक्षक सरफराज फिऱ्दौशी को काबिल पुलिस अधिकारी बताकर नशामुक्ति की ओर बेहतर कार्य करना बताया गया, उप निरीक्षक द्वारा कई गंभीर प्रकरणों मे बेहतर कार्य कर सफलता प्राप्त की गई हैं। उप निरीक्षक सरफराज फिऱ्दौशी द्वारा जिला सरगुजा मे अपने कार्यकाल को याद करते हुए बताया कि वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन मे थाना प्रभारी मणिपुर के रूप मे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी, पुलिस अधीक्षक महोदया के निरंतर मार्गदर्शन से गंभीर प्रकरणों मे भी पुलिस टीम को सफलता प्राप्त हुई हैं, साथ ही आगामी समय मे निरंतर वरिष्ठ अधिकारियो का मार्गदर्शन प्राप्त होने की इक्छा जताई गई, स्थानांतरण पर पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा उप निरीक्षक सरफराज फिऱ्दौशी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, अनुविभागिये अधिकारी पुलिस अखिलेश कौशिक, उप पुलिस अधीक्षक एसएस पैकरा, उप पुलिस अधीक्षक महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक जयराम चरमाको, थाना प्रभारी कोतवाली उपनिरीक्षक रूपेश नारंग, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, थाना प्रभारी मणिपुर उपनिरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, रीडर अजीत मिश्रा, सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

स्कूटी सवार युवक-युवती को बोलेरो ने मारी टक्कर,युवती की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन गुरुवार को वह पड़ोस में रहने वाले युवक के साथ स्कूटी से भगवान के दर्शन करने रामगढ़ धाम गई थी। दर्शन के बाद दोनों देर शाम अंबिकापुर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में अज्ञात बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर से सडक़ पर गिरी युवती की बोलेरो के पहिए से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जशपुर जिला निवासी प्रियंका रावतिया पिता धनेश्वर 18 वर्ष अंबिकापुर के गंगापुर स्थित नालापारा मोहल्ले में किराए के मकान में रहती थी। चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन गुरुवार की दोपहर उसने अपने घरवालों से कहा कि वह पूजा करने मंदिर जा रही है। इसके बाद वह मोहल्ले में ही रहने वाले युवक अनुज के साथ स्कूटी से रामगढ़ धाम में भगवान के दर्शन करने गई थी। दोनों शाम करीब 7.30 बजे घर लौट रहे थे। वे अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे पर शहर से लगे ग्राम जोगीबांध के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही अज्ञात बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवक-युवती सडक़ पर जा गिरे। इस दौरान युवती बोलेरो के पहिए की चपेट में आ गई, इससे कुचल जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक को मामूली चोटें आई हैं।

राजस्व टीम की उपस्थिति में ग्रामीणों ने हाई स्कूल खेल मैदान से मकान तोड़कर हटाया अतिक्रमण

- संवाददाता -
लखनपुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम कूसू हाई स्कूल खेल मैदान में गांव के ही चंदेश्वर रजवाड़े के द्वारा कब्जा कर मकान बनाया गया था।अवैध कब्जा कर मकान निर्माण को लेकर ग्रामीणों के द्वारा 22 मार्च को इसकी शिकायत तहसीलदार से की गई थी। तथा ग्राम पंचायत में सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने हाईस्कूल मैदान से अवैध अतिक्रमण हटाए जाने सहमति जताई। हाईस्कूल मैदान से अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चंदेश्वर राजवाड़े को 4 दिनों का समय भी दिया गया था। अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के बाद पंचायत की ओर से अतिक्रमण कारी चंदेश्वर राजवाड़े को नोटिस दिया गया तथा 29 मार्च को तहसील कार्यालय पहुंच अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा था साथ ही अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की गई थी। आज लखनपुर नायब तहसीलदार प्रांजल गोयल दल बल के साथ मौके पर पहुंचे व राजस्व विभाग की उपस्थिति में ग्राम सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों के द्वारा हाई स्कूल खेल मैदान से मकान को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया गया। इसी दौरान अतिक्रमणकारी चंदेश्वर रजवाडे के द्वारा ग्रामीणों के साथ गाली गलौज कर टांगी से प्रहार किया गया गनीमत रही कि किसी को किसी प्रकार की चोट नहीं लगी है।

भाजपा राहुल गांधी से इतना डरती क्यों है ?: टीएस सिंहदेव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

देश में लोकतंत्र को नष्ट करने का काम किया जा रहा है। प्रजातंत्र के सर्वोच्च मंदिर में किसी को अपनी बात रखने का अवसर न देना खतरे का संकेत है। उक्त बातें शनिवार को स्थानीय राजनीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कही। राहुल गांधी की संसद सदस्यता को समाप्त करने के पूरे घटनाक्रम का ब्यौरा रखते स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कहा कि राहुल गांधी के विरूद्ध मानहानि का याचिका लगाया जाता है, पुनः याचिकाकर्ता द्वारा याचिका वापस ले लिया जाता है, दूसरे जज के आने पर सुनवाई प्रारंभ होती है और चंद दिनों में इस पर फैसला सुना दिया जाता है। फैसला सुनाने के बाद उसी अदालत द्वारा अपने फैसले को 30 दिन के लिए सस्पेंड करके 30 दिन का समय राहुल गांधी को दिया जाता है। इधर फैसले के बाद प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा के स्पीकर से चर्चा करने की बात सामने आती है और अगले दिन इनके संसद से निष्कासन की सूचना मिलती है। अदालत द्वारा फैसले को सस्पेंड करने के बाद भी लोकसभा के स्पीकर द्वारा राहुल गांधी के संसद सदस्यता की समाप्ति को लेकर दिखाई गई जल्दबाजी समझ से परे है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि सदन में अपनी बातों को रखना निर्वाचित जनप्रतिनिधि का विशेषाधिकार है। अगर कोई असंसदीय, अलोकतांत्रिक शब्दों का उपयोग करता है, तो उसे विलोपित किया जाता है। वैसे भी चुने हुए जनप्रतिनिधि संसदीय मर्यादा का पालन करते हुए अपनी बातों को सदन में रखते हैं। यहां राहुल गांधी द्वारा सदन में रखी गई सारी बातों को विलोपित करवा दिया गया, इसके बाद कार्रवाई हुई। प्रजातंत्र के मंदिर में अभिव्यक्ति को सामने लाने से बाधित करने का प्रयास किया गया। सिंहदेव ने कहा संसद के पटल

में रखा गया रिकार्ड सदियों तक सुरक्षित रखा जाता है। लोकसभा हो या राज्यसभा, सभी जगह यही प्रावधान है। स्वास्थ्य मेंत्री टीएस सिंहदेव ने आगे कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में आम जनता की आवाज को उठाना, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह हो गया है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व चार बार के सांसद राहुल गांधी जब संसद के अंदर बात करते हैं तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है, उनका माइक बंद कर दिया जाता है। सत्तारूढ़ दल के सांसद बहुमत का प्रदर्शन करते संसद की कार्रवाई नहीं चलने देते हैं। अनर्गल बयानबाजी के बाद भी जब राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी व विपक्ष की आवाज दबा पाने में नाकाम रहते हैं तो षड्यंत्र के तहत ऐसी कार्रवाई की जाती है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा राहुल गांधी ने चार हजार किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा की लेकिन उन्होंने कहीं भी वोट नहीं मांगा। उन्होंने संवैधानिक, प्रजातांत्रिक व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर की। भाजपा ने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सबसे पहले दावा किया कि राहुल गांधी ने विदेशी ताकतों से लंदन में भारत की मदद करने कहा, ये सफेद झूठ है। कोई उनके वक्तव्यों को ध्यान से सुने तो उन्होंने कहा कि ये भारत का अंदरूनी मामला है, हम स्वयं इसका हल निकालने में सक्षम हैं। दूसरा हौवा भाजपा खड़ा कर रही है कि राहुल गांधी ओबीसी विरोधी हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा ओबीसी समुदाय का अपमान करने का आरोप हताशा साबित हुई। सूरत, गुजरात में निचली अदालत के फैसले के 24 घंटे के भीतर भाजपा ने राहुल गांधी को लोकसभा में उनकी सदस्यता को समाप्त करने तीव्र गति से काम किया, जबकि अदालत ने उन्हें न्यायालय में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि भाजपा राहुल गांधी से इतना डरती क्यों है? पत्रकारों से चर्चा के दौरान बालकृष्ण पाठक, द्वितेंद्र मिश्रा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, अशफाक अली, हेमंती प्रजापति, विनय शर्मा बंटी, सीमा सोनी, प्रमोद चौधरी, दुर्गेश गुप्ता सहित काफी सं या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पाकिस्तान में डर-डर कर जीने को मजबूर हैं चीनी,कई कारोबारी ठिकाने कराए गए बंद

इस्लामाबाद,31मार्च 2023। पाकिस्तान के अधिकारियों ने देश में कई चीनी व्यापार प्रतिष्ठानों को बंद करवा दिया है। बताया जाता है कि चीनी नागरिकों से जुड़े प्रतिष्ठानों पर आतंकवादी हमलों का खतरा है। अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मामले में कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। वे नहीं चाहते हैं कि पाकिस्तान में उस देश के लोगों या हितों को कोई न नुकसान पहुंचे, जिससे पाकिस्तान का सबसे महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ता है।

पाकिस्तान में चीनी ठिकाने आंतकवादियों और अलगाववादियों के खास निशाने रहे हैं। उन पर हुए हमलों में कई चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान सरकार के आकलन के मुताबिक एक बार फिर ऐसे हमलों का खतरा गहरा गया है। पाकिस्तान को इस समय कुल मिला कर आतंकवाद के बढ़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़े वाणिज्य विभाग ने इस साल फरवरी में पाकिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों के लिए विशेष चेतावनी जारी की थी। उसमें कहा गया था कि चीनी नागरिकों के लिए जोखिम ऊंचे स्तर तक पहुंच गया है। बताया जाता है कि चीन ने अपने नागरिकों की सुरक्षा का इंतजाम करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाया। उसके बाद से पाकिस्तान के सुरक्षा बल सक्रिय हुए हैं। इस महीने उन्होंने कराची में कई चीनी व्यापार ठिकानों को यह कहते हुए सील कर दिया कि उन पर हमला होने का खतरा है।

कराची एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने व`बसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'कई बार चेतावनी देने के बावजूद चीनी व्यापार ठिकाने सुरक्षा प्रोटोकॉल को लागू करने में नाकाम रहे। इस वजह से उन्हें सील किया गया है। संतोषजनक सुरक्षा व्यवस्था

होने के बाद उन्हें दोबारा खोलने की इजाजत दी जाएगी।' अधिकारी ने बताया कि ऐसे ठिकानों को बंद करवाने और खोलने की इजाजत देने का सिलसिला चल रहा है, इसलिए इस समय कितने ठिकाने बंद हैं, इसकी सही संख्या बताना संभव नहीं है।

लेकिन आधिकारिक दस्तावेजों से पता चला है कि जिन ठिकानों को बंद करवाया गया है, उनमें चाइनीज रेस्तरां, सुपरमार्केट और एक समुद्री खाद्य बनाने वाली कंपनी शामिल हैं। ये कदम सिंध प्रांत के एक खास कानून के तहत उठाया गया है। विश्लेषकों के मुताबिक कराची शहर आतंकवादियों के निशाने पर रहा है। यहां चीनी ठिकानों पर हमले हो चुके हैं। अप्रैल 2022 में इसी शहर में कराची यूनिवर्सिटी स्थित कंफ्यूशियस इंस्टीट्यूट पर हमला हुआ था, जिसमें तीन चीनी शिक्षक और एक पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई थी।

इसके पहले जून 2020 में कराची स्टॉक एक्सचेंज की बिल्डिंग पर हमला हुआ था, जिसके एक हिस्से का स्वामित्व एक चीनी कंपनी-समूह के पास है। इन भी हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी नाम के आतंकवादी संगठन ने ली थी। लेकिन हमलों का डर सिर्फ सिंध प्रांत तक सीमित नहीं है। पंजाब प्रांत के गृह मंत्रालय ने इस वर्ष फरवरी में प्राइवेट कंपनियों में काम करने वाले चीनी नागरिकों को आदेश दिया था कि वे अपने निजी सरक्षा कर्मी तैनात करें। पंजाब सरकार ने चीनी नागरिकों की रक्षा के लिए एक विशेष सुरक्षा इकाई का भी गठन किया है। लेकिन इस बल की सुरक्षा सिर्फ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना के तहत बन रहे चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर में काम करने वाले कर्मचारियों को ही दी गई है।

एयरपोर्ट से चोरी हो गया बैग,युवक ने एयरटैग की मदद से ऐसे पकड़ा चोर, फिर सब रह गए हैरान

नई दिल्ली,31 मार्च 2023। अमेरिका से एक रोचक मामला सामने आया है। यहां हवाई यात्रा कर रहे एक यात्री का बैग चोरी हो गया। बैग में करीब तीन लाख रुपये से ज्यादा का सामान था। यात्री ने इस मामले में पुलिस से भी मदद मांगी लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर खुद से ही तकनीक के सहारे यात्री ने चोर को पकड़ लिया।

मामला अटलांटा के हर्ट्सफील्ड जैक्सन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। यहां जमील रीड जब हवाई अड्डे पर यात्रा के बाद अपना सामान लेने पहुंचे तो उनका बैग गायब था। इस बैग में करीब तीन लाख रुपये से अधिक का सामान था। जमील ने पुलिस में इसकी शिकायत की, लेकिन चोर को ढूंढने में सभी नाकामयाब रहे। तब जमील ने ऐप्पल एयरटैग का सहारा लिया और चोर को ट्रैक किया, जिसके बाद चोर पकड़ा गया।

एयरटैग की मदद से ऐसे पकड़ा गया चोर

जमील ने एप्पल एयरटैग की मदद से चोर को ट्रैक किया। तब ये चोर एयरपोर्ट से कई किलोमीटर दूर अटलांटा शहर में था। जमील ने चोर की लोकेशन पुलिस को दे दी। इसके बाद प्लानिंग के साथ पुलिस ने चोर को पकड़ लिया। दिलचस्प बात ये है कि जब ये चोर पकड़ा गया तो वो जमील के चोरी किए हुए कपड़े पहने थे। यहां तक कि उसके मोजे भी पहने हुए थे।

मीडिया में जमील ने कहा, %चोर ने मेरी शर्ट, मेरी जींस और मेरे मोजे पहन रखे थे...% उन्होंने आगे बताया कि यात्रा के दौरान वो अक्सर अपने सामान में एक एयरटैग रखते हैं। इसी की मदद से चोर पकड़ा गया।

IMF बेलआउट पैकेज मिलने के बाद घरेलू ऋण पुनर्गठन का विकल्प चुनेगा श्रीलंका,सरकार ने कही ये बात

नई दिल्ली,31मार्च 2023। आर्थिक संकट से जूझ रहा श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के राहत पैकेज के बाद के घरेलू कर्ज पुनर्गठन के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इसके जरिए श्रीलंका अपनी डगमगाती अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की कोशिश में है। शुक्रवार को श्रीलंका सरकार की तरफ से एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

श्रीलंका को इस महीने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) बेलआउट कार्यक्रम की पहली किश्त के रूप में 330 मिलियन अमरीकी डालर मिले हैं। इसके जरिए कर्ज में डूबे श्रीलंका को बड़ी राहत मिली है। उम्मीद है कि इस पैकेज की मदद से श्रीलंका की आर्थिक स्थिति में सुधार हो।

श्रीलंका ने क्या कहा?

गुरुवार को श्रीलंकाई सरकार ने एक बयान जारी किया। इसमें सेंट्रल बैंक के गवर्नर और ट्रेजरी के सचिव ने कहा, %हम तरलता राहत के उद्देश्य से घरेलू ऋण अनुकूलन (छ्ठ्ठ) ऑपरेशन के विकल्प भी तलाश रहे हैं। श्रीलंका की पुनर्भुगतान क्षमता को और कम होने से बचाने और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए ऐसा किया जाना जरूरी है।%

उन्होंने आगे कहा, %महत्वाकांक्षी राजकोषीय समेकन प्रयासों के बावजूद, व्यापक ऋण उपचार के अभाव में श्रीलंका का सार्वजनिक ऋण प्रक्षेपवक्र अस्थिर रहने के लिए तैयार है।

सरकार ने कहा, %आईएमएफ कार्यक्रम के अनुसार, हम कई चीजों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। मसलन राजकोषीय समेकन प्राप्त करने, राजकोषीय संरचनात्मक सुधारों को लागू करने, सार्वजनिक ऋण स्थिरता बहाल करने, मूल्य स्थिरता बहाल करने और बाहरी बफर्स का पुनर्निर्माण करने, वित्तीय प्रणाली स्थिरता की रक्षा करने और भ्रष्टाचार की कमजोरियों को कम करने और विकास-बढ़ाने वाले सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।%

भारत से और कर्ज चाहता है श्रीलंका

श्रीलंका खाद्य और दवा सहित जरूरी सामान खरीदने के लिए भारत से एक अरब डॉलर की नई अस्थायी ऋण सुविधा की मांग करेगा। श्रीलंका के सरकारी मीडिया के अनुसार, श्रीलंका को अपने आर्थिक संकट से उबरने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से 33.3 करोड़ डॉलर का प्रोत्साहन पैकेज मिला है। यह मुद्राकोष के तीन अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज की पहली किस्त है। इससे देश को अन्य सहयोगी देशों से भी वित्तीय समर्थन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। सरकारी 'डेली न्यूज% अखबार ने बताया कि श्रीलंका के वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने %देश के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों, दवाओं और अन्य सामानों की खरीद करने% के लिए नई अस्थायी एक अरब डॉलर की सुविधा प्राप्त करने को अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की।

इस बीच, सेंट्रल बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. इंद्रजीत कुमारस्वामी ने सेंट्रल बैंक के सेंटर फॉर बैंकिंग स्टडीज द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में कहा, %रिजर्व बैंक से भारतीय रुपये की अदला-बदली को सुरक्षित करने के लिए भी बातचीत चल रही है। राशि अभी भी अनिश्चित है और यह राशि एक अरब डॉलर के बराबर हो सकती है. उस पर अभी भी काम किया जा रहा है।

भारतीय मूल के रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली , 31 मार्च 2023। भारतीय मूल के रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है। रिचर्ड को अमेरिकी सीनेट ने स्टेट, मैनेजमेंट एंड रिसोर्स का डिप्टी सेक्रेटरी बनाया है। इसे अमेरिकी सरकार का काफी शक्तिशाली पद माना जाता है। इसे स्टेट डिपार्टमेंट का ष्टश्व्रह्र भी कहते हैं। अमेरिकी सीनेट ने रिचर्ड के नाम पर 67-26 मतों से सहमति जताई।

54 साल के रिचर्ड भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। उन्होंने 16 जनवरी, 2015 से 20 जनवरी, 2017 तक भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम किया और वर्तमान में मास्टरकार्ड में मुख्य कानूनी अधिकारी और वैश्विक सार्वजनिक नीति के प्रमुख हैं। ओबामा प्रशासन के दौरान वर्मा ने विधायी मामलों के राज्य के सहायक सचिव के रूप में कार्य किया।

इससे पहले अपने करियर में वह संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेटर हैरी रीड के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके अलावा वह डेमोक्रेटिक पार्टी के व्हिप, अल्पसंख्यक नेता और अमेरिकी सीनेट के तत्कालीन बहुमत के नेता थे। इतना ही नहीं उन्होंने द एशिया ग्रुप के वाइस चेयरमैन, स्टेप्टो एंड जॉनसन एलएलपी में पार्टनर और सीनियर काउंसलर और अलब्राइट स्टोनब्रिज ग्रुप में सीनियर काउंसलर के रूप में भी काम किया है। वह संयुक्त राज्य वायु सेना के एक अनुभवी हैं, जहां उन्होंने जज एडवोकेट के रूप में सक्रिय ड्यूटी पर काम किया।

लेहाई यूनिवर्सिटी से पढ़ाई, कई अवॉर्ड्स भी जीते

रिचर्ड वर्मा ने लेहाई यूनिवर्सिटी से बीएस की पढ़ाई की है। जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में डिस्टिंक्शन के साथ एलएलएम और जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी से पीएचडी पूरी की। वह कई पुरस्कारों और अलंकरणों से सम्मानित भी हो चुके हैं। इनमें राज्य विभाग से विशिष्ट सेवा पदक, विदेश संबंध परिषद से अंतर्राष्ट्रीय मामलों की फैलोशिप और संयुक्त राज्य वायु सेना से मेधावी सेवा पदक शामिल हैं।

वर्मा को राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया गया था और वे सामूहिक विनाश और आतंकवाद आयोग के हथियारों के पूर्व सदस्य हैं। वह द फोर्ड फाउंडेशन के एक ट्रस्टी के रूप में कार्य करते रहे हैं और कई अन्य बोर्डों में हैं। जिसमें नेशनल एंडोमेंट फॉर डेमोक्रेसी और लेहाई यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

अभियोग का सामना करेंगे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप, बोले-मेरा राजनीतिक उत्पीड़न हो रहा

नई दिल्ली,31 मार्च 2023। अमेरिका के मैनहेटन में ग्रैंड जूरी ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा फैसला सुनाया है। 2016 के चुनाव अभियान के दौरान एक एडल्ट स्टार को चुप रहने के एवज में पैसे देने के लिए ट्रंप को दोषी ठहराया और अभियोग चलाने के पक्ष में मतदान किया। अब वह आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब किसी मौजूदा या पूर्व राष्ट्रपति पर आपराधिक मुकदमा चलेगा।

इसको लेकर ट्रंप का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक उत्पीड़न किया जा रहा है और इतिहास में उच्चतम स्तर पर चुनाव में हस्तक्षेप का प्रयास है। ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन को धमकी भी दी। कहा कि ये विच हंट उनपर भारी पड़ेगा।

ट्रंप ने और क्या कहा?

मैनहेटन में ग्रैंड जूरी का फैसला आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह इतिहास में उच्चतम स्तर पर राजनीतिक उत्पीड़न और चुनावी हस्तक्षेप है। जब से मैं ट्रम्प टॉवर में गोल्डन एस्केलेटर से नीचे आया और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली तब से कट्टरपंथी वाम डेमोक्रेट मेरे पीछे पड़े हुए हैं। वह इस देश के मेहनती पुरुषों और महिलाओं के दुश्मन बन गए हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन को नष्ट करने के लिए एक विच-हंट में लगे हुए हैं।

ट्रंप ने आगे कहा, आप इसे वैसे ही याद करते हैं जैसे मैं करता हूं... रूस, रूस, रूस; मुलर होक्स; यूक्रेन, यूक्रेन, यूक्रेन फिर... महाभियोग का धोखा-1, महाभियोग का धोखा-2; अवैध और असंवैधानिक छापे और अब यह.... ।

क्या जूरी ने फैसला सुनाया?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को ग्रैंड जूरी ने एक एडल्ट स्टार को चुपके से पैसे देने के मामले में ट्रंप को दोषी पाया और उन्होंने आपराधिक मुकदमा चलाने के पक्ष में वोट किया। जूरी का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है, जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी में जुट चुके हैं। अब उनके ऊपर मुकदमे की कार्यवाही होगी। डोनाल्ड ट्रंप को अटलांटा और वाशिंगटन में भी आपराधिक जांच का सामना करना पड़ सकता है और महत्वपूर्ण कानूनी संकट पैदा कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की दौड़ में उनके आगे बढ़ने के अवसर समाप्त हो जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप इस दौड़ में एक प्रमुख दावेदार बने हुए हैं।

क्या है पूरा मामला?

मामला 2016 का है। दावा किया जाता रहा है कि मामला स्टॉर्मी डेनियल्स को एक लाख तीस हजार डॉलर के भुगतान से जुड़ा है। ग्रांड ज्यूरी की जांच में पाया गया कि 2016 में डेनियल्स ने मीडिया के सामने खुलासा किया था कि ट्रंप और उनके बीच नजदीकी रिश्ता था। इसकी भनक लगने पर ट्रंप टीम के वकील ने स्ट्रॉर्मी को चुप रहने के लिए एक लाख तीस हजार डॉलर का भुगतान किया था। वहीं, स्टॉर्मी का यह भी आरोप है कि ट्रंप ने नेवादा में एक सेलेब्रिटी गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान उन्हें अपने होटल रूम में बुलाया था। ट्रंप ने स्टॉर्मी को टीवी स्टार बनाने का वादा किया था। स्टॉर्मी के मुताबिक, ट्रंप और उनके बीच संबंध बने थे। हालांकि, ट्रंप इस बात से इनकार करते रहे हैं कि उन्होंने स्टॉर्मी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। उनका कहना है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। जुलाई 2007 में स्टॉर्मी डेनियल जब ट्रंप से मिली थीं, तब उनकी उम्र 27 साल थी और ट्रंप की 60 साल।

ब्रिटेन से गुजरात हत्याकांड में वांछित जयसुख के प्रत्यर्पण को मिली मंजूरी, भारत ने किया था अनुरोध

लंदन,31 मार्च 2023। ब्रिटेन की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को गुजरात में एक हत्याकांड समेत कई आपराधिक मामलों में वांछित जयसुख रणपरिया के प्रत्यर्पण की अनुमति दे दी। फैसले पर हस्ताक्षर के लिए मामला गृह सचिव सुएला ब्रेवरमन को भेजा गया है। जिला न्यायाधीश सारा-जेन ग्रिफिथ्स ने लंदन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में अपना फैसला सुनाया।

उन्होंने दो साल पहले के मामले को बेहद चुनौतीपूर्ण बताया। इस मामले में सुनवाई पिछले वर्ष दिसंबर में समाप्त हुई थी। न्यायाधीश ग्रिफिथ्स ने कहा, मैं संतुष्ट हूं कि जरूरी मानकों के हिसाब से प्रत्यर्पण अनुरोध में प्रथम दृष्टया मामला स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

भारत ने किया था अनुरोध

भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध के अनुसार, रणपरिया, जिसे जयेश पटेल के नाम से भी जाना जाता है। चार संबंधित साजिश में वांछित है और हत्या की हर साजिश जामनगर, गुजरात में भूखंडों की बिक्री से जुड़े व्यक्तियों से धन या संपत्ति उगाही के प्रयास से जुड़ी है। चारों मामलों में सुपारी देकर हत्या की जानी थी। जयेश के शिकारों में से एक की मृत्यु हो गई, जबकि तीन बच गए। जिस व्यक्ति की हत्या की गई थी वह एक वकील किरीट जोशी था।

फिनलैंड भी बना नाटो का सदस्य,आखिरकार तुर्किए की संसद ने दे दी मंजूरी, स्वीडन का जारी रहेगा इंतजार

अंकारा,31 मार्च 2023। नाटो में एक और देश की एंट्री हो गई है। बता दें कि तुर्किए की संसद ने गुरुवार को फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनने की मंजूरी दे दी। तुर्किए की संसद ने एकमत से यह फैसला किया। इसके साथ ही फिनलैंड का नाटो सदस्य बनना तय हो गया है। नाटो के अन्य देश पहले ही फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने की मंजूरी दे चुके हैं। हालांकि अभी स्वीडन के नाम को तुर्किए की संसद की मंजूरी नहीं मिल पाई।

इस मुद्दे पर नहीं मिल रही थी मंजूरी

बता दें कि स्वीडन और फिनलैंड ने साल 2022 में नाटो का सदस्य बनने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद अधिकतर देशों ने स्वीडन और फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने की मंजूरी दे दी थी लेकिन हंगरी और तुर्किए इसके लिए तैयार नहीं थे। तुर्किए का आरोप था कि कुर्दिश आतंकी संगठन फिनलैंड और स्वीडन में अपना बेस बनाए हुए हैं और वहां से तुर्किए के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। हालांकि दोनों देशों ने तुर्किए के आरोपों से इनकार किया था।

वहीं हंगरी का आरोप है कि स्वीडन और फिनलैंड में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है और दोनों देश इसके बारे में झूठ बोलते हैं। हालांकि बाद में तुर्किए और हंगरी ने फिनलैंड के प्रति अपने रुख को नरम कर लिया था और फिनलैंड को नाटो में शामिल करने की मंजूरी दे दी। हालांकि दोनों देश अभी भी स्वीडन की सदस्यता का विरोध कर रहे हैं। हंगरी का कहना है कि स्वीडन को सदस्यता पाने के लिए कई बड़े कदम उठाने होंगे।

फिनलैंड ने जताई खुशी

वहीं नाटो की सदस्यता मिलने पर फिनलैंड ने खुशी जाहिर की है। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्तो ने कहा कि हमारा देश नाटो में शामिल होने के लिए तैयार है। सभी 30 देशों ने उनकी सदस्यता को मंजूरी दे दी है और वह सभी सदस्य देशों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। निनिस्तो ने कहा कि फिनलैंड एक मजबूत और सक्षम सहयोगी बनेगा। उन्होंने ये भी कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं स्वीडन भी जल्द नाटो का सदस्य बनेगा। नाटो के महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग ने भी फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाए जाने का स्वागत किया और कहा कि इससे नाटो और मजबूत होगा।

क्या है नाटो

नाटो यानी कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन, एक रक्षा गठबंधन है। साल 1949 में इसका गठन किया गया था। इस संगठन में अमेरिका, यूके, कनाडा और फ्रांस जैसे देश शामिल हैं। इस संगठन के देशों पर अगर कोई हमला करता है तो सभी सदस्य देश एक दूसरे की मदद करेंगे और विरोधी देश पर एक साथ हमला करेंगे। रूस से यूरोप को बचाने के लिए नाटो की शुरुआत हुई थी और आज नाटो के कुल 30 सदस्य देश हैं। जो अब बढ़कर 31 हो जाएंगे।

राहुल गांधी बीजेपी नेताओं को रुलाएंगे: पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू

अंग्रेजों से ज्यादा भाजपा कर रही षड्यंत्र

- संवाददाता -
प्रतापपुर,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला मुख्यालय सर्किट हाउस में आज आयोजित कांग्रेस के प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजी राज में जैसा था, वैसा ही आज भी दिख रहा है। केंद्र की मोदी सरकार तानाशाही रवैय्या अपना रही है। एक महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को हिलाकर रख दिया था, उसी तरह एक अकेला राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को हिलाकर रख दिया है। आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में अपनी बातें रखना गुनाह हो गया है। अपराध हो गया है। कांग्रेस की बातें दबाने के लिए तरह-तरह के षड़यंत्र रचे जा रहे हैं।

बलरामपुर जिला मुख्यालय सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व विधायक व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष चुन्नीलाल साहू ने बीजेपी की केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चार बार के सांसद राहुल गांधी जब संसद में अपनी बातें रखते हैं, तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। उनके माइक को बंद कर दिया जाता है। इस तरह से बीजेपी के मंत्री और नेता पूरी ताकत के साथ षड़यंत्र करने में

लगे हुए हैं। बीजेपी पर निशाना साधते हुए पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द किए जाने पर कहा कि आज तक किसी भी राजनीति दल ने ऐसा कृत्य नहीं किया जो मोदी सरकार कर रही हैं। विपक्ष को कुचलने का काम बीजेपी कर रहा हैं।

गांधी परिवार को लेकर उन्होंने कहा कि जिस बलिदानी परिवार ने देश को आजाद कराने के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। न्यौछावर कर दिया, उसे बोलने का अधिकार नहीं है। खड़गे और राहुल गांधी जब कोई बात संसद में करते हैं,तो उनकी बात को काट दिया जात है। इसका मतलब ये है कि जो अंग्रेजीकाल में जो फिरंगी किया करते थे, वो आज इस देश में देखने को मिल रहा है। उसकी शुरुआत आज दिखाई दे रही है। मोदी राज में लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करके उन्होंने तानाशाह पर मुहर लगा दी है। केंद्र के मंत्री सारी गरिमा को ताक पर रखकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं। पीएम मोदी की बचाव में पूरी जनता पार्टी उतर आई है इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री पिछड़ा वर्ग कांग्रेस नचिकेता जयसवाल अनिल सिंह सदस्य भवन सह निर्माण कर्मकार मंडल छत्तीसगढ़ शासन जगत लाल आयाम जनपद अध्यक्ष प्रतापपुर नवीन जयसवाल प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अनिल कुशवाहा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी बलरामपुर रिफुजीत सिंह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बलरामपुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रूनियाडीह स्कूल के कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

» नगर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस के कार्यो के बारे में छात्रों को दी जानकारी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

शुक्रवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रूनियाडीह के कक्षा 8वीं के छात्र-छात्राओं को विदाई दी गई। इस मौके पर पुलिस राजपत्रित अधिकारी व बीईओ की मौजूदगी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। छात्रों के द्वारा पुलिस के कार्यो एवं पुलिस अधिकारी बनने संबंधी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान नगर पुलिस अधीक्षक से पाया।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने पुलिस अधिकारियों को सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आमजनता व स्कूली छात्रों तक अधिक से अधिक पहुंच बनाते हुए उन्हें जरूरी जानकारियों से अवगत कराने के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में छात्रों के विदाई कार्यक्रम में सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु ने छात्रों को कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन में रहकर शिक्षा हासिल करने से सफलता जरूर मिलती है। सफलता की कुंजी शिक्षा है, शिक्षा हम सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। शिक्षा का समय सभी के लिए सामाजिक और व्यक्तिगत रुप से बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। छात्र जीवन में बेहतर शिक्षा के लिए ध्यान में रखने वाली जरूरी बातों को बताया। छात्रों को पुलिस के कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई पूरी करने के बाद कौन से विभाग व सेवा चुनना पसंद करेंगे पूछने पर अधिकतर छात्रों ने पुलिस विभाग में नौकरी करने की मंशा जाहिर की। बीईओ विनोद सिंह ने छात्रों को अगली कक्षा में जाने पर उन्हें लगन से पढ़ाई करने एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल के प्राचार्य सीमाचंल त्रिपाठी ने वर्षभर छात्र-छात्राओं के शिक्षा एवं स्किल एक्टिविटी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान चौकी प्रभारी करंजी संजय गोस्वामी सहित स्कूल के शिक्षकगण मौजूद रहे।

सामान्य सभा में विपक्ष पार्षदों ने महापौर को घेरा

» बजट को पहनाया बेशरम फूल की माला

- संवाददाता -
कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी ऑडिटोरियम में नगर निगम की सामान्य सभा हंगामे के साथ प्रारम्भ हुई जिसमे सत्ताऔर विपक्ष ने एक दूसरे पर जमकर आरोप लगाए ढ्ढ नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल की अगुवाई में भाजपा पार्षद दल ने हाथो में महापौर कठपुतली है, महापौर रबर स्टाम्प है कि तख्ती लेकर विरोध जताया ढ्ढ विपक्ष द्वारा नारेबाजी के साथ सामान्य सभा हाल में प्रवेश कर महापौर को बेशरम फूल की माला पहनाने की कोशिश की गई पर महापौर द्वारा आपत्ति जताने पर विपक्ष

पार्षदों ने बजट को माला पहना दिया गयाढ्ढ जिस पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि बजट बहुत अच्छा है,सामान्य सभा में विपक्ष पार्षदों ने बजट पर माला पहनाकर बजट कढ्ढ स्वागत किया है।

फरसाबहार में नोडल अधिकारियों को दिया गया बेरोजगारी भत्ता के संबंध में प्रशिक्षण

- संवाददाता -
जशपुरनगर,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

फरसाबहार विकासखण्ड के जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में बेरोजगारी भत्ता हेतु कलस्टर नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के शिक्षित बेरोजगारों को 01 अप्रैल 2023 से 25 हजार रूपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने की योजना लागू की गई है। जिला रोजगार एवं स्व रोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के शिक्षित बेरोजगारों को विभिन्न शर्तो के आधार पर शिक्षित बेरोजगारी भत्ता की पात्रता होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेरोजगारी भत्ता की पात्रता श्रेणी में वे शामिल होगें जो आवेदक छ.ग. का मूल निवासी होगें। जिनकी आयु 01 अप्रैल 2023 को 18 से 35 वर्ष के मध्य होगी। जो मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम हायर सेकेंडरी (12 वीं उत्तीर्ण) शैक्षणिक योग्यता धारी हो, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में पंजीकृत हों एवं आवेदन के वर्ष के 01 अप्रैल को हायर सेकेण्डरी में उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो, रोजगार कार्यालय में न्यूनतम 12 वीं का जीवित पंजीयन 01 अप्रैल 2021 से पूर्व का हो, आवेदक के आय का कोई स्त्रोत न हों एवं आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतों से आय रुपये 2 लाख 50 हजार वार्षिक से अधिक न हो। परिवार से तात्पर्य पति, पत्नी एवं आश्रित बच्चे एवं आश्रित माता-पिता। इसी प्रकार अपात्रता की शर्तो में वे शामिल होंगे जो एक परिवार से एक ही व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, यदि किसी परिवार के किसी व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है तो दूसरा व्यक्ति अपात्र होगा। आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य को केन्द्र अथवा राज्य सरकार की किसी भी संस्था अथवा स्थानीय निकाय में चतुर्थ श्रेणी या ग्रुप-डी को छोड़कर अन्य नौकरी होने पर ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होगा। यदि आवेदक को स्वरोजगार या शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में किसी नौकरी का ऑफर दिया जाता है, परंतु आवेदक ऑफर स्वीकार नहीं करता है तो ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिये अपात्र होगा। पूर्व और वर्तमान मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और सांसद या राज्य विधानसभाओं के पूर्व या वर्तमान सदस्यों, नगर निगमों के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्तें के लिये अपात्र होंगे। पेंशनभोगी जो 10,000 रुपये या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करते हैं के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। अन्य पेशेवर जैसे इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड एकाउंटेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत आर्किटेक्ट के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे।

मेडिकल कॉलेज की स्वशासी समिति की बैठक में कई कार्यों को मिली मंजूरी

» सीटी स्कैन व एमआरआई के लिए आयुष्मान योजना अंतर्गत दर निर्धारित

» संविलियन पश्चात चिकित्सकों की पेंशन पात्रता व प्रोत्साहन राशि स्वीकृति के लिए होगी पहल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के स्वशासी परिषद की बैठक गंगापुर स्थित महाविद्यालय सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में महाविद्यालय व अस्पताल से सम्बंधित कई महत्वपूर्ण कार्यों का अनुमोदन किया गया जिसमें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सीटी स्कैन व एमआरआई की सुविधा नहीं होने पर बाहर से कराने में आयुष्मान भारत योजना के तहत निर्धारित दर पर कराने का अनुमोदन, सिम्स के चिकित्सा शिक्षकों का संविलियन पश्चात पेंशन की पात्रता तथा नेत्र रोग विभाग के कर्मचारियों को विभिन्न योजनाओं के तहत प्रोत्साहन राशि स्वीकृति हेतु आवश्यक पहल करने पर सहमति दी गई। इसके साथ ही चिकित्सालय में मरीजों के लिए ऐसी जांच जिसकी सुविधा लैब में नहीं है, उन जांच को निजी संस्था से कराने में भी आयुष्मान दर पर कराने की सहमति दी गई। बैठक में स्वस्थ्य सचिव डॉ आर प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी रायपुर से विडियो कांफ्रेन्सिंग में माध्यम से जुड़े थे।

बताया गया कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल को सीजीएमएससी सीटी स्कैन, एक्स-रे फ़िल्म उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण स्थानीय स्तर पर क्रय करके मरीजां के उपचार में उपयोग किया जा रहा है। इसीप्रकार सीटी स्कैन व एमआरआई की अनुपलब्धता होने पर निजी संस्था की सेवा ली जाती है। आयुष्मान योजना अंतर्गत निर्धारित दर पर सीटी स्कैन एमआरआई होने से मरीजों को निश्चित दर पर सुविधा मिलेगी। वर्ष 2002 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। संविलियन एवं सेवा शर्तों के अनुरूप उन्हें नियुक्ति वर्ष से वरिष्ठता प्राप्त है। उक्त अधिकारियों की सेवा अवधि को पेंशन 75 के अनुसार पता एवं सेवानिवृत्ति पश्चात पंचायतों के भुगतान की स्वीकृति करने के संबंध में की गई।

बैठक में एमसीआई के गाइडलाईन के अनुसार कम्युनिटी मेडिसिन के इंटर्नशिप हेतु प्रशिक्षु डॉक्टरों के लिए ग्रामीण क्षेत्र के चिकित्सालय में सेवाएं देना होगा। इसके लिए दरिमा पीएचसी में सेवाएं देने तथा 5 पुरुष व 5 महिला प्रशिक्षुओं के आवास व्यवस्था के लिए दरिमा में दो अलग-छात्रावास की व्यवस्था की सहमति दी गई।

बैठक में सीएमएचओ डॉ पीएस सिसोदिया, मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ आर मूर्ति, एमएस डॉ आर्या सहित निर्माण विभाग से सम्बंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन का निरीक्षण

बारिश से पहले सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शुक्रवार को गंगापुर में निर्माणाधीन राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में निर्माण, उपकरण सहित अन्य साज-सज्जा के कार्य बारिश से पहले पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के भू-तल सहित अन्य तलों में चल रहे कार्यों का अवलोकन किया।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण में किसी प्रकार की समस्या नहीं है इसलिए संबंधित ठेकेदार से समय-सीमा में काम पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि तेजी से काम होगा तो मेडिकल कॉलेज नया भवन में जल्द शुरू हो जाएगा। मेडिकल कॉलेज अस्पताल निर्माण कार्य वर्तमान में बंद है जिसे फिर से शुरू करने शासन स्तर से जरूरी पहल करने की बात कही। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी जरूरी अधिकारियों समन्वय करने कहा।

इस दौरान सीएमएचओ डॉ पीएस सिसोदिया, मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ आर मूर्ति, एमएस डॉ आर्या सहित निर्माण विभाग से सम्बंधित अधिकारी मौजूद थे।-

सहायक सूचना अधिकारी सुरजीत सिंह को जिला जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोरबा स्थानांतरण होने पर दी गई विदाई

- संवाददाता -
जशपुरनगर ,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के जिला जनसंपर्क कार्यालय जशपुर में पदस्थ सहायक सूचना अधिकारी सुरजीत सिंह चौहान को शुक्रवार को जिला जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती नूतन सिदार द्वारा कार्यमुक्त कर दिया गया। इस अवसर पर

कार्यालय के श्रीमती सुषमा कुजूर, विनोद कुमार यादव, श्रीमती कौशल्या एवं रवि मिश्रा, राजकुमार राम, रविन्द्र राम, अशोक तिर्की उपस्थित थे।

जनसंपर्क कार्यालय कोरबा स्थानांतरण किया गया है ज्ञात हो कि श्री चौहान विगत तीन वर्षो से अधिक जिला जनसंपर्क कार्यालय जशपुर में कार्यरत थे। सुरजीत चौहान ने जिले में बिताए अपने कार्यकाल को याद करते हुए कार्यालय में कार्यरत अधिकारी और सभी कर्मचारियों को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया साथ ही सभी पत्रकार साथियों से मिले सहयोग के लिए उनको धन्यवाद दिया। जिला जनसंपर्क कार्यालय में कार्यरत सभी ने श्री चौहान के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ उन्हें विदाई दी।

बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत 01 अप्रैल से शुरू होगी ऑनलाइन आवेदन

आवेदन हेतु कोई अंतिम तिथि नहीं

- संवाददाता -

कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल 2023 से बेरोजगारी भत्ता योजना लागू हो रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हर माह 2500 रूपए का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में किया जाएगा। बेरोजगारों को साथ ही कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता दी जाएगी। बेरोजगारी भत्ता योजना का लाभ लेने आवेदक के पूरे परिवार की आय सलाना 2.50 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। परिवार से तात्पर्य पति-पत्नी, आश्रित बच्चे और आश्रित माता-पिता से है।

पात्रता की शर्तें

बेरोजगारी भत्ता योजना के आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है। योजना के लिए आवेदन किए जाने वाले वर्ष के 01 अप्रैल को आवेदक की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम हायर सेकेण्डरी यानी 12वीं कक्षा पास हो। साथ ही छत्तीसगढ़ के किसी भी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष की 01 अप्रैल की स्थिति में हायर सेकेण्डरी या उससे अधिक योग्यता से उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो। आवेदक की स्वयं का आय का कोई स्त्रोत न हो और आवेदक के परिवार के सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक न हो। पारिवारिक आय हेतु तहसीलदार या उससे उच्च राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र बेरोजगारी भत्ता की आवेदन तिथि से 01 वर्ष के अंदर ही बना हो।

कौन होगा अपात्र

बेरोजगारी भत्ता योजना के आवेदक के परिवार के एक से अधिक सदस्य यदि पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं तो परिवार के एक ही सदस्य को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जाएगा। ऐसी स्थिति में बेरोजगारी भत्ता उस सदस्य को स्वीकृत किया जाएगा, जिसकी उम्र अधिक हो। उम्र समान होने की स्थिति में रोजगार कार्यालय में पहले पंजीयन करने वाले सदस्य को बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र किया जाएगा। उम्र और रोजगार पंजीयन की तिथि, दोनों समान होने की स्थिति में उस सदस्य को पात्र किया जाएगा जिसकी शैक्षणिक योग्यता अधिक हो। आवेदक के परिवार का कोई भी सदस्य केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी संस्था या स्थानीय निकाय में चतुर्थ श्रेणी या फिर ग्रुप डी को छोड़कर अन्य किसी भी श्रेणी की नौकरी में होने पर ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होगा। यदि आवेदक को स्वरोजगार या शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में किसी नौकरी का ऑफर दिया जाता है, परंतु आवेदक ऑफर स्वीकार नहीं करता है तो वह योजना के लिए अपात्र हो जाएगा। पूर्व और वर्तमान मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और संसद या राज्य विधानसभाओं के पूर्व या वर्तमान सदस्य, नगर निगमों के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। साथ ही ऐसे पेंशनभोगी जो 10 हजार रूपए या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करते हैं, उनके परिवार के सदस्य भत्ते के लिए अपात्र होंगे।

साथ ही इनकम टैक्स भरने वाले परिवार के सदस्य, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टड एकाउंटेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत आर्किटेक्ट के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे।

आवेदन की प्रक्रिया

बेरोजगारी भत्ता योजना के लिए प्रतिवर्ष संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा। इच्छुक आवेदकों से बेरोजगारी भत्ता लेने के लिए https://berojgaribhatta.cg.nic.in में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वेबसाइट में आवेदक को सबसे पहले अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड करना होगा। रजिस्ट्रेशन के समय ओटीपी की एंट्री करनी होगी। ओटीपी सत्यापन के बाद आवेदक को अपना लॉग-इन पासवर्ड बनाना होगा और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के आधार पर पोर्टल में आवेदन के लिए लॉग-इन करना होगा। आवेदक को अपनी सभी मूलभूत जानकारी निर्धारित फार्मेट के अनुसार पोर्टल में अपलोड करनी होगी।

आवेदक को ऑनलाइन आवेदन में पते के रूप में उसी जनपद पंचायत या नगरीय निकाय का पता देना होगा, जहां से उसका छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र जारी हुआ है। ताकि उसे प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए उसी पंचायत या निकाय क्षेत्र में बुलाया जा सके। विवाहित महिलाओं को अपने पति के निवास प्रमाण पत्र से संबंधित क्षेत्र के निवास का पता देना होगा।ऑनलाइन आवेदन करने के बाद आवेदक को आवेदन का प्रिंट निकालकर उस पर हस्ताक्षर करना होगा और उसके साथ अन्य सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ उसे सत्यापन तिथि को निर्धारित समय और स्थान पर आना अनिवार्य होगा। सत्यापन तिथि, स्थान और समय की जानकारी पोर्टल के डैशबोर्ड पर उपलब्ध कराई जाएगी। डैशबोर्ड पर ही पात्रता, अपात्रता, अपील पर लिए गए निर्णय, बेरोजगारी भत्ते के भुगतान और कौशल प्रशिक्षण के ऑफर की जानकारी मिलेगी।

अपील एवं शिकायत की प्रक्रिया एवं उसका निराकरण

अपात्र घोषित होने पर आवेदक को 15 दिन के अंदर पोर्टल में अपने दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन अपील करना होगा। आवेदक के अपील का निराकरण कलेक्टर या कलेक्टर द्वारा अधिकृत अधिकारी 15 दिन के अंदर करेंगे और अपील का निर्णय पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। यदि कोई अपात्र आवेदक पात्र घोषित कर दिया जाता है तो इसके खिलाफ कोई भी व्यक्ति कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी को तथ्यों के साथ शिकायत कर सकता है। इस शिकायत पर 15 दिनों के अंदर सुनवाई कर निर्णय लिया जाएगा। इस निर्णय की जानकारी को भी पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। शिकायत सही पाये जाने पर आवेदक का बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बेरोजगारी भत्ता का भुगतान

बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को रोजगार एवं प्रशिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर द्वारा प्रतिमाह 2500 रूपए का भुगतान सीधे हितग्राही के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाएगा। आवेदन करते समय आवेदक को अपने बचत बैंक खाते का खाता नंबर, आईएफएससी कोड की सही जानकारी देनी होगी। बैंक खाता में त्रुटि के कारण भुगतान नहीं हो पाने की जिम्मेदारी आवेदक की होगी।

बेरोजगारी भत्ता की अवधि

योजना के अंतर्गत बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र आवेदक को प्रथमतः एक वर्ष के लिए बेरोजगारी भत्ता देय होगा। यदि हितग्राही विशेष को एक वर्ष की इस अवधि में लाभकारी नियोजन प्राप्त नहीं होता है तो इस अवधि को एक और वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। किसी भी स्थिति में यह अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

कौशल प्रशिक्षण

योजना अंतर्गत जिन आवेदकों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जाएगा उन्हें एक वर्ष की समयावधि में कौशल विकास प्रशिक्षण का ऑफर दिया जाएगा। कौशल विकास प्रशिक्षण के बाद आवेदक को रोजगार प्राप्त करने में सहायता की जाएगी। आवेदन में उल्लेखित व्यवसायों में से किसी एक व्यवसाय में कौशल विकास प्रशिक्षण निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। यदि आवेदक प्रशिक्षण लेने से इंकार करते है या ऑफर किया गया रोजगार स्वीकार नहीं करते है तो उनका बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा।

बेरोजगारी भत्ता हितग्राहियों की समीक्षा

संबंधित पंचायत व निकाय नियमित रूप से हर 6 माह में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की जांच कर यह सुनिश्चित करेंगे कि वे अभी भी बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए पात्र हैं या नहीं। जांच में अपात्र होने वाले हितग्राहियों को नोटिस जारी किया जाएगा और सुनवाई के बाद उनका बेरोजगारी भत्ता बंद करने का आदेश जारी किया जाएगा एवं इसकी जानकारी पोर्टल में अपलोड की जाएगी।बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले हितग्राही को यदि किसी प्रकार का रोजगार प्राप्त हो जाता है तो इसकी जानकारी हितग्राही को स्वयं पोर्टल में अपलोड करनी होगी। इस संबंध में जानकारी नहीं देने पर संबंधित निकाय या पंचायत को इसकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त होती है तो हितग्राही का भत्ता तत्काल बंद करने की जानकारी की प्रविष्टि पोर्टल में करेंगे और संबंधित हितग्राही के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कोरबा जिला में कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने इसके लिए 9 सदस्यीय समिति का गठन किया है। कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति आवश्यक व्यवस्था की मॉनिटरिंग आदि करेगी। डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ऋचा सिंह को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बेरोजगारी भत्ते के लिए पात्रता रखने वाले बेरोजगारों को इस योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा,स्वास्थ्य,पेयजल और सड़क के कार्यों का प्राथमिकता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत

- संवाददाता -

कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)। लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ली। उन्होंने योजनाओं की समीक्षा करते हुए गरीब और कमजोर लोगों के उत्थान के दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। सांसद ने जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल के कार्यों को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने कहा। सांसद ने पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग और गुणवत्तापूर्ण कार्य कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यों की सूची की जानकारी विधानसभा वार विधायकों को उपलब्ध कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने समिति की बैठक में अध्यक्ष द्वारा दिये गए निर्देशों को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने एक अप्रैल से प्रारंभ हो रहे बेरोजगारी भत्ता योजना और छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की जानकरी देते हुए जनप्रतिनिधियों को इसमें सहभागिता की अपील की। उन्होंने बे-मौसम हो रही बारिश व ओलावृष्टि से फसल नुकसान का तहसीलदारों के माध्यम से सर्वे कराने और आरबीसी-6-4 अंतर्गत मुआवजा प्रदान करने की बात कही। दिशा समिति की बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने मनरेगा के कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्धारित गाइडलाइन अनुसार विभिन्न कार्य कराने कहा। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी लेते हुए हितग्राहियों की सूची विधायकों को देने और गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए घर-घर पेयजल उपलब्ध कराने कहा। सांसद ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण कार्यक्रम राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी लेते हुए कोविड-19 नियंत्रण के लिए प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में दवाई, बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ कोविड रोकथाम के लिए प्रबंध की जा रही है। सांसद ने दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सक तथा मरीजों के उपचार के लिए एम्बुलेंस व्यवस्था और गर्मी को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने, प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मड़वारानी, चैतुरगढ़, मातिनदाई आदि में विद्युत व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नये और उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने कहा। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पेंशन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, रूरबन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा और कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, एकीकृत बाल विकास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भू-अभिलेख आधुनिकीकरण, दीनदयाल उपाध्याय विद्युतीकरण योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना आदि की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कटघोरा विधायक श्री पुरूषोत्तम कंवर, पाली-तानाखार विधायक श्री मोहित राम केरकेट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिव कला कंवर, नगर पालिका परिषद कटघोरा अध्यक्ष श्री रतन मित्तल, खाद्य आयोग के सदस्य श्री हरीश परसाई, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गोदावरी राठौर, जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कंवर, वन मंडल अधिकारी श्री अरविंद पीएम, श्रीमती प्रेमलता यादव सहित, प्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के तीन खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीतकर जिले का बढ़ाया मान

- संवाददाता -

कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)। उड़ीसा के कटक में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के तीन खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया है। सबजूनियर खिलाड़ियों ने दूसरे प्रान्त में हुए स्पर्धा में जीत का परचम लहराया। बता दे कि भारत सरकार खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय, ताइक्वांडो फेडरेशन आफ इंडिया एवं उड़ीसा ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में आयोजित 36 वी राष्ट्रीय सब जूनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम कटक में 25- 27 मार्च तक आयोजित की गई थी। इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ ताइक्वांडो की 32 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। जिसमें जिले के 20 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। राज्य टीम में जगह बनाने वाले तीन खिलाड़ियों ने आफ़शा अंसारी अंडर 24 किलोग्राम वजन समूह में,पूर्वी कंवर अंडर 47 किलोग्राम वजन समूह में,वेदान्त कश्यप अंडर 29 किलोग्राम वजन समूह में छत्तीसगढ़ को अपने अपने वजन समूह में कांस्य पदक जीतकर कोरबा जिले का मान बढ़ाया है। कोरबा जिले के तीन खिलाड़ियों की उपलब्धि पर जिले के कलेक्टर संजीव झा एवं डिस्टिक ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद खान, डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल खिलाड़ियों को पदक जीतने पर शुभकामनाएं दी हैं।

सिनेमाघरों में 07 अप्रैल से लगेगा छत्तीसगढ़ी कॉमेडी फिल्म जिमी कांदा

- संवाददाता -

कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)। तिलक भवन में नई आने वाली फिल्म जिमी कांदा के रिलीज होने से पहले फिल्म के निर्माता गजेंद्र श्रीवास्तव ने प्रेस वार्ता कर फिल्म की जानकारी दी ढ्ढ उन्होंने बताया कि यह फिल्म पूर्ण रूप से मनोरंजन वाली फिल्म है ढ्ढ इसके पूर्व भी प्रदेश में में तीन और फिल्म उन्होंने बतौर निर्माता बनाई जो अत्यंत लोकप्रिय हुई है ढ्ढ यह फिल्म क्षेत्रीय भाषा छत्तीसगढ़ी मैं बनी हुई फिल्म है जिसे दर्शक प्रदेश में खूब सरहाएंगे ढ्ढ उन्होंने कहा कि जिमी कांदा देश की ऐसी पहली फिल्म है जो 03 माह से भी कम समय में बनकर तैयार हुई है। फिल्म में कोरबा समेत छत्तीसगढ़ के नए कलाकारों को मौका दिया गया है। फिल्म में कोरबा जिले के चार कलाकार है जो बतौर इस फिल्म में अभिनय करते दिखेंगे ढ्ढ फिल्म के निर्माता गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया के यह फिल्म पूरे प्रदेश में 07 अप्रैल से सिनेमाघरों में दशकों के लिए लगाया जाएगा ढ्ढ फिल्म पूरी पारिवारिक एवं हास्य से भरपूर है जो दर्शकों को खूब भाएगी ढ्ढ गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भगवान राम का ननिहाल है, यह वनवास के दौरान जगह-जगह भगवान राम पहुंचे थे। कोरबा के सीतामढ़ी गुफा में इसका प्रमाण है जहां उनके चरण के चिन्ह है। इसलिए अब उक्त प्राचीन स्थान को महत्व दिलाने वे उसपर आधारित फिल्म का निर्माण करेंगे। नायक अनुपम भार्गव के मुताबिक अब हिंदूत्व का परचम लहरा रहा है तो इसे लेकर अब रामायण पर आधारित फिल्म बनायी जाएगी। फिल्म की एक्ट्रेस जागृति सिन्हा ने बताया कि यह फिल्म पूर्ण रूप से पारिवारिक के साथ ही कॉमेडी का तड़का शुरू से अंत तक दर्शकों को हंसाएगी और गुदगुदाएगी। फिल्म के प्रचार-प्रसार के लिए कोरबा शहर में दिनांक 31 मार्च 23 को शाम 5ः00बजे रोड शो किया जाएगा, जोकि सीतामढ़ी से लेकर घंटाघर चौक तक होगा ढ्ढ इसमें फिल्म के ट्रेलर के साथ विज्ञापन के माध्यम से दर्शकों को 07 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए आग्रह किया जाएगा ढ्ढ उन्होंने मीडिया के माध्यम से सभी दर्शकों से आग्रह किया है कि वह कॉमेडी फिल्म को देखें और अपने परिवारों को भी दिखाएं।

सुखमय जीवन के संकल्प के साथ 125 वर-वधुओं के जोड़े ने लिए फेरे

» राजस्व मंत्री, सांसद ने नव दंपतियों को दिया आशीर्वाद

- संवाददाता -

कोरबा,31 मार्च 2023 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कोरबा के राजेन्द्र प्रसाद नगर फेस वन दशहरा मैदान और कटघोरा के कवंर समाज भवन में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। योजना अंतर्गत दोनों स्थानों पर आज 125 वर-वधू के जोड़े दांपत्य सूत्र में बंधे और सुखमय जीवन का संकल्प लेकर एक नई जिंदगी की शुरूआत की।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कोरबा में 51 और कटघोरा में 74 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इससे पूर्व सामूहिक विवाह में महिला बाल एवं विकास विभाग द्वारा बैण्ड बाजे के साथ बारात निकाली गई और आतिशबाजी की गई। अधिकारियों द्वारा वर का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। गायंत्री मंत्रोपचार के साथ सम्पन्न हुए विवाह में मुड़ापार निवासी दिव्यांग बोट लाल चौहान ने ग्राम डूमरभाठा की यशोदा से शादी रचाई। उन्होंने योजना को लेकर खुशी व्यक्त करते हुए गरीब परिवारों को इसका लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन पुनर्वास, पंजीयन एवं स्टाम्प मंत्री श्री जय सिंह अग्रवाल और सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत सहित अन्य अतिथियों ने सभी वर-वधुओं को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया। राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि जिले में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है, जिसमें सामाजिक, धार्मिक रीति-रिवाज का पालन करते हुए सामूहिक विवाह संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब परिवार के लिये अपनी बेटी का विवाह करना बहुत चुनौती से भरा होता है, हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रारंभ कर गरीब परिवारों के चुनौती को दूर करने के साथ उन्हें कर्ज में बोझ में दबने से बचाया है। राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विगत साढ़े चार साल से जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर सभी वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है। पात्र हितग्राही शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं। शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 25 हजार रुपए के स्थान पर 50 हजार रुपए दिए जाने की घोषणा की गई है जिसका लाभ आने वाले समय में जरूरतमंद लोगों को मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री गरीबों और महिलाओं के बारे में बहुत सोचते हैं, इसलिए राज्य के किसान, मजदूर, गरीब परिवार सहित अन्य जरूरतमंद लोगों की शादी की चिंता को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना संचालित किया जा रहा है। जिसका लाभ सभी जरूरतमंद लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जब घर में लड़की पैदा होती थी तब चिंता के साथ कर्ज का बोझ लद जाता था। सामाजिक कुरीतियों और परम्परा के नाम पर खेत, घर, जमीन बिक जाती थीं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन कर एक सार्थक योजना प्रारंभ कर क्रियान्वियत की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो बेटी आज बहू बनकर किसी के घर में जा रही है, उन्हें अपनी बेटी मानकर घर में सम्मान दें। कटघोरा में आयोजित कार्यक्रम में भी सांसद श्रीमती महंत, कटघोरा विधायक श्री पुरूषोत्तम कंवर, पाली-तानाखार विधायक श्री मोहित राम केरकेट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिव कला कंवर, खाद्य आयोग के सदस्य श्री हरीश परसाई, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय, गौ सेवा आयोग के सदस्य श्री प्रशांत मिश्रा, छग मदरसा बोर्ड के सदस्य डॉ शेख इश्तियाक आदि ने आशीर्वचन के साथ सभी जोड़ो को विवाह के बंधन में बंधने की बधाई व शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत व साँसद श्रीमती महंत ने नवदम्पत्ति जोड़ो को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए भेंट स्वरूप भगवान जय सियाराम की दरबार भेंट कर सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की हैं। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीति खोखर चखियार सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा आम नागरिकगण उपस्थित थे।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा देना, सामाजिक स्थिति में सुधार लाना तथा विवाह में दहेज के लेनदेन का रोकथाम करना भी है।

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

सुविधाएँ : • पर्सनल लोन • बिजनेस लोन • प्रॉपर्टी लोन • होम लोन • जीवन बीमा • स्वास्थ्य बीमा • गाड़ी फाइनेंस • बैंकिंग ग्राहक सेवा केन्द्र

निःशुल्क फ्रेंचाइजी लेकर काम करने इच्छुक व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं.

प्रमुख बैंकों व कई फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

गुदरी गली, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर

मो.: 9993567065, 6232267065, 9754461011

Advt.B.19.3.23

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0

रा0प्र0क्रं0 /ब-121/2022-23

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम पूरन केंवट आ0 स्व0 अदत केंवट जाति केंवट निवासी कोरेया ग्राम कोरेया प0ह0न0 तहसील व सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पिता स्व0अदत केंवट जन्म/मृत्यु दिनांक 20/01/2017 का जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 11/04/2023 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/03/2023 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर
जिला सूरजपुर छ0ग0

आज होगी केकेआर के सामने पंजाब किंग्स की चुनौती

चोट और विदेशी खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स

मोहाली , 31 मार्च 2023। चोट और कुछ विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से परेशान पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीमें जब शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अपने शुरुआती मुकाबले के लिए शनिवार को यहां मैदान पर उतरेंगी तो उनका लक्ष्य सत्र को जीत के साथ शुरू करने का होगा।

आईपीएल में इन दोनों टीमों के पास हमेशा दमदार खिलाड़ी रहे है लेकिन मैदान पर उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा है।

पंजाब किंग्स को अब भी अपने पहले खिताब का इंतजार है जबकि केकेआर की टीम गौतम गंभीर की अगुवाई में दो बार चौम्पियन रही है। पिछले सत्र में 10 टीम के मुकाबले में पंजाब छठे और केकेआर सातवें पायदान पर था।

इस सत्र में दोनों टीमों का नेतृत्व नये कप्तान करेंगे। अनुभवी शिखर धवन पंजाब की कमान संभालेंगे, वहीं केकेआर ने चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह घरेलू स्टार नीतीश राणा पर भरोसा जताया है।

कागजों पर केकेआर के मुकाबले पंजाब की टीम थोड़ी अधिक मजबूत दिख रही है जिसे घरेलू मैदान का भी फायदा मिलेगा। टीम को हालांकि इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो की कमी खलेगी। बेयरस्टो चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गये है।

फ्रेंचाइजी ने बेयरस्टो की जगह बिग बैश लीग में सत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मैथ्यू शॉर्ट को टीम में शामिल किया है। उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया का यह बल्लेबाज धवन के साथ पारी का आगाज करेगा।

लियाम लिविंगस्टोन (चोटिल) और कागिसो रबादा (राष्ट्रीय टीम के साथ) शुरुआती कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे जिससे पंजाब किंग्स की लय प्रभावित हो सकती है।

टीम ने हालांकि हरफनमौला सैम कुरेन पर 18 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए है जो गेंद और बल्ले से

प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते है। टीम के पास जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा का भी विकल्प होगा जो बल्ले से शानदार लय में है और ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है।

अर्शदीप सिंह के अलावा टीम के पास कोई प्रभावशाली भारतीय तेज गेंदबाज भी नहीं है। ऐसे में कोच ट्रेवर बेलिस को ऋषि धवन और लेग स्पिनर राहुल चहर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी अपने कोच चंद्रकांत पंडित पर काफी निर्भर करेगी जो बेहद कुशल रणनीतिकार हैं और नियमित कप्तान अय्यर की गैरमौजूदगी में राणा पर उनकी योजनाओं को लागू करने का दारोमदार होगा।

टीम को शुरुआती मैच में राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और लिटन दास का साथ नहीं मिलेगा ऐसे में केकेआर का प्रदर्शन काफी हद तक आंद्रे रसेल और सुनील नारायण की वेस्टइंडीज की जोड़ी पर निर्भर करेगा। टीम के पास डेविड वाइसी और वेंकटेश अय्यर के रूप में पास अन्य स्तरीय ऑलराउंडर हैं।

शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी अगर टीम के लिए चिंता का विषय है तो केकेआर के पास मजबूत गेंदबाजी इकाई है। उमेश यादव तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे जबकि शारदुल ठाकुर और टिम साउथी उनका साथ देंगे। शाकिब, नारायण और वरुण चक्रवर्ती स्पिन विभाग में जिम्मेदारी संभालेंगे।

टीमें:

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, वी. कावेरप्पा, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे,

कोलकाता नाइट राइडर्सः

नितीश राणा (कप्तान), वैभव अरोड़ा, लॉकी फर्ग्यूसन, हर्षित राणा, वेंकटेश अय्यर, एन जगदीसन, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह, सुनील नारायण, रहमानुल्लाह गुरबाज, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, शाकिब अल हसन, रिंकू सिंह, टिम साउथी, सुयश शर्मा, शार्दुल ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, डेविड वाइसी, उमेश यादव।

मैच दोपहर 03:30 बजे से शुरू होगा।

फुटबॉल महिला लीग की तैयारी हुई शुरू

» घोषित किए गए ग्रूप के नाम

» 25 अप्रैल से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली,31 मार्च 2023। महिला फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) की शुरुआत 25 अप्रैल से होने वाली है। इस बार महिला फुटबॉल लीग के लिए ग्रूपों की घोषणा कर दी गई है। नई दिल्ली में फुटबॉल हाउस में ड्रॉ आयोजित होने के बाद आगामी भारतीय महिला लीग के लिए ग्रूपिंग की घोषणा की गई। इस बार कुल 16 टीमें लीग में हिस्सा लेंगी जिन्हें दो ग्रूपों में बांटा गया है।

इसके लिए खासतौर से ड्रॉ का आयोजन किया गया था। इस ड्रॉ के दौरान अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि महिला फुटबॉल लीग का यह सीजन एक अधिक प्रतिस्पर्धी लीग की योग्यता प्रतियोगिता की तरह है जो अगले अभियान में प्रभावी होगा।

उन्होंने कहा, ÷सभी 16 टीमों को

मेरी शुभकामनाएं, जो आईडब्ल्यूएल का हिस्सा होंगी। हमने कई क्लबों के साथ बैठक की और भारतीय महिला फुटबॉल के विकास और तेजी से विकास के लिए एक समग्र स्थिति बनाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं।

गौरतलब है कि इस बार सीजन की शुरुआत 25 अप्रैल से होगी, जिसमें 16 टीमों को दो ग्रूपों में बांटा गया है। हर ग्रूप में से शीर्ष चार में रहने वाली टीमों को नॉकआउट चरण में क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। इसमें क्वालिफाई करने वाली टीमों को क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेलने को मिलेगा। शीर्ष आठ में रहने वाली टीमों को अगले साल भी फायदा मिलेगा। अगले साल के महिला फुटबॉल लीग के लिए सीधे स्लॉट में उन्हें एंट्री मिलेगी, जो की होम-एंड-अवे आधार पर खेले जाएंगे।

पांच सीजन हो चुके है

गौरतलब है कि महिला प्रीमियर लीग के कुल पांच सीजन अब तक खेले जा चुके है। ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन ने 2016-17 में उद्घाटन सत्र जीता, फाइनल में राइजिंग स्टूडेंट्स क्लब को 3-0 से हराया। राइजिंग स्टूडेंट्स क्लब ने 2017-18 सीजन में ट्रॉफी जीतकर और फाइनल में ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन को हराकर इस हार का बदला लिया। सेतु ने फाइनल में मणिपुर पुलिस को हराकर टूर्नामेंट का 2018-19 संस्करण जीता। गोकुलम केरल लीग के इतिहास में सबसे सफल टीम है, जिसने 2019-20 और 2021-22 में टूर्नामेंट जीता है।

ये हैं दोनों ग्रूप्सः-

ग्रूप ए :- गोकुलम केरला एफसी, माता रुकमणि एफसी, होप्स एफसी, मिसाका यूनाइटेड एफसी, कहानी एफसी, ईस्ट बंगाल एफसी, स्पोर्ट्स ओडिशा, मुंबई नाइट्स एफसी।

ग्रूप बीः-सेतु एफसी, किकस्टार्ट्स एफसी, सेल्टिक क्वींस एफसी, ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन, सीआरपीएफ एफसी, चर्चिल ब्रदर्स एफसी, लॉर्ड्स एफए कोच्चि, ओडिशा एफसी।

धोनी ने बाएं घुटने में चोट के कारण नहीं किया अभ्यास

» सीएसके के सीईओ ने कहा खेलेगा कप्तान

अहमदाबाद ,31 मार्च 2023। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बाएं घुटने की चोट ने शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले मैच में उनके खेलने पर संदेह की स्थिति बना दी लेकिन टीम के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है।

भारत के पूर्व कप्तान 41 साल के धोनी को चेन्नई में अभ्यास सत्र के दौरान बाएं घुटने पर चोट लगी थी। उन्होंने गुरुवार को यहां मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी नहीं की।

सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा, जहां तक मेरा सवाल है तो कप्तान 100 प्रतिशत खेलेंगे। मुझे किसी और घटनाक्रम की जानकारी नहीं है।

अगर धोनी नहीं खेलते हैं, तो सीएसके डेवोन कॉनवे या अंबाती रायुडू में से किसी एक को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंप सकता है, क्योंकि उनके पास कोई विशेषज्ञ विकेटकीपर नहीं है।

धोनी सत्र से पहले काफी अभ्यास करते हैं, लेकिन अपनी ऊर्जा बचाने के लिए टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले वह ज्यादा अभ्यास करने से बचते है।

इस उम्र में खिलाड़ी के जल्दी चोटिल होने की समस्या रहती है ऐसे में धोनी लंबे सत्र को देखते हुए ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहेंगे।

अलकाराज सेमीफाइनल में

» रायबकिना महिला वर्ग के फाइनल में

मियामी गार्डन्स ,31 मार्च 2023। शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकाराज ने मियामी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को आसानी से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। स्पेन के इस खिलाड़ी ने एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 10वीं रैंकिंग पर काबिज फ्रिट्ज को 6-4 6-2 से मात दी। यह इस साल 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत है। सेमीफाइनल में अलकाराज के सामने यानिक सिन्नर

की चुनौती होगी। पुरुषों के एक अन्य क्वार्टर फाइनल डेनियल मेदवेदेव अमेरिका के क्वालीफायर क्रिस यूबैंक्स को 6-3 7-5 से हराया। मेदवेदेव के सामने सेमीफाइनल में हमवतन कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। खाचानोव ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 6-3 6-2 से पराजित किया। महिला वर्ग में एलिना रायबकिना ने सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को बारिश से प्रभावित मैच में 7-6(3) 6-4 से शिकस्त दी। फाइनल में उनके सामने 15वीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा और गैरवरीय सोराना क्रिस्टी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता की चुनौती होगी।

आरसीबी को शुरुआती सात मैचों नहीं मिलेगा हेजलवुड का साथ

मेलबर्न, ,31 मार्च 2023। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एडी की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के पहले चरण में नहीं खेल पाएंगे। हेजलवुड 14 अप्रैल को भारत आएंगे लेकिन वह महीने के तीसरे सप्ताह तक ही पूर्ण फिटनेस हासिल कर पायेंगे। ऐसे में टीम को शुरुआती सात मैचों में उनके बिना मैदान पर उतरना होगा। उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी ग्लेन मैक्सवेल का दो अप्रैल को बेंगलुरु में मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के शुरुआती मैच में खेलना संदिग्ध है। वह पैर में फ्रैक्चर से उबर गये है लेकिन मैच फिटनेस हासिल नहीं कर सके है।

हेजलवुड ने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है, इसलिए मैं 14 तारीख (अप्रैल) को जाऊंगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मेरे लिए अगले दो सप्ताह कैसे रहते है। उन्होंने कहा, मैं शायद उस समय मैच खेलने के लिए तैयार ना रहूं लेकिन उम्मीद है कि वहां पहुंचने के बाद एक सप्ताह के अंदर पूर्ण फिटनेस हासिल कर लूंगा।

हेजलवुड को इस चोट के कारण भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा था। वह आईपीएल के जरिये एशेज की अपनी तैयारी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। इस 32 वर्षीय तेज गेंदबाज को हालांकि अभी तक भारत रवाना होने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से चिकित्सा अनापत्ति पत्र नहीं मिला है।

पोन्नियिन सेल्वन 2 का ट्रेलर रिलीज

ऐतिहासिक फिल्म पोन्नियिन सेल्वन सुपरहिट थी। तभी से दर्शकों को इसके दूसरे भाग का इंतजार था, जो अब जल्द ही खत्म होने जा रहा है। फिल्म के लिए हिंदीभाषी दर्शक भी बराबर उत्साहित हैं, क्योंकि एक तो यह पैन इंडिया फिल्म है और दूसरी वजह इसमें ऐश्वर्या राय बच्चन हैं, जो फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं। अब पोन्नियिन सेल्वन 2 का ट्रेलर दर्शकों के बीच आ गया है, जिसकी जानकारी ऐश्वर्या ने भी सोशल मीडिया पर दी है। ट्रेलर में चोल साम्राज्य की कहानी को आगे बढ़ाते हुए दिखाया गया है, वहीं सिंहासन के लिए फिर छिड़ा महायुद्ध रोंगटे खड़े करने वाला है। ऐश्वर्या बला की खूबसूरत और धाकड़ अवतार में दिख रही हैं। मंदाकिनी और नंदिनी उनके दोनों किरदार प्रभावी हैं। ऐश्वर्या की सुंदरता और कुटिरता दोनों आकर्षित करती है। सुपरस्टार विक्रम और अदिथा करिकलां भी धांसू अवतार में दिख रहे हैं। ट्रेलर में वो सबकुछ है, जो एक पीरियड ड्रामा फिल्म में होना चाहिए। 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली है फिल्म

फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक से बेल्लमकोंडा साई श्रीनवास करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

लगभग 17 पूर्व एसएस राजामौली ने प्रभास को लेकर फिल्म छत्रपति का निर्माण किया था। अपने समय में इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार करते हुए राजामौली को दक्षिण में स्थापित किया था। अब इसी फिल्म को पेन इंडिया के जयंतीलाल गढा हिन्दी में बना रहे हैं, जिसके द्वारा दक्षिण के एक और सितारे बेलमकोंडा का हिन्दी डेब्यू होने जा रहा है। बेलमकोंडा श्रीनिवास कुछ समय से छत्रपति के हिंदी रीमेक पर काम कर रहे हैं और आखिरकार, अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की है, जो मूल फिल्म के शीर्षक को बरकरार रखेगी। श्रीनिवास ने ट्विटर पर फिल्म का एक नया पोस्टर रिलीज की तारीख के साथ साझा किया।

अभिनेता ने लिखा, 12 मई 2023 को सिनेमाघरों में छत्रपति का इंतजार खत्म हुआ। आपको हमारी पूरी मेहनत और इस एक्शन से भरपूर धमाका दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। वीवी विनायक द्वारा निर्देशित एकमात्र विजयेंद्र प्रसाद द्वारा लिखित। तस्वीर में वह कलश लेकर नदी में खड़े होकर अपनी मांसपेशियों को फ्लेक्स करते हुए नजर आ रहे हैं।

बेलमकोंडा श्रीनिवास फिल्म के लिए अपने शरीर पर काम कर रहे हैं और ऐसा लगता है कि मूल फिल्म से प्रभास के जूते में कदम रखने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है। के.वी. विजयेंद्र प्रसाद द्वारा लिखित छत्रपति (2005), दो सौतेले भाइयों के बीच झगड़े की कहानी है। अनुभवी पटकथा लेखक ने हिंदी रीमेक की कहानी भी लिखी है। प्रभास की फिल्म आंध्र प्रदेश में करीब 100 दिनों तक चली।

छत्रपति (2023) बेलमकोंडा श्रीनिवास की पहली हिंदी फिल्म है, और यह फिल्म तेलुगु में भी रिलीज होगी। श्रीनिवास के अलावा, फिल्म में नुसरत भरुचा, अमित नायर, राजेंद्र गुप्ता, स्वप्निल और आशीष सिंह भी हैं। तनिष्क बागची फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं, जो फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है।

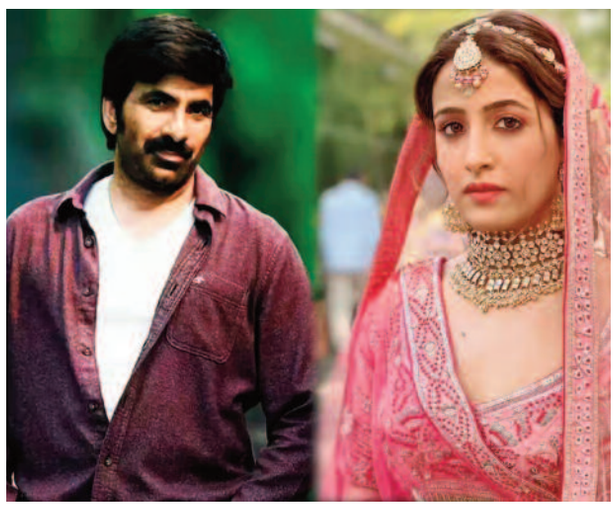

नुपूर सेनन का रवि तेजा के साथ तेलुगू में डेब्यू

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन रवि तेजा की फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के साथ तेलुगू फिल्म उद्योग में कदम रखने जा रही हैं। रवि तेजा की यह फिल्म पैन इंडिया प्रदर्शित होगी। यह फिल्म 20 अक्टूबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। हिन्दी में प्रदर्शित हुई रवि तेजा की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई हैं, हालांकि दक्षिण भारतीय भाषाओं में इन फिल्मों ने जबरदस्त कमाई की थी।

हाल ही में दिए इंटरव्यू में नुपूर सेनन ने रवि तेजा की तारीफ की। बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए नुपूर बोलीं- अब तक जिन भी लोगों से मैं मिली हूं, रवि उनमें से सबसे ज्यादा विनम्र हैं। मैं जब भी सेट पर जाती हूं, मुझे वो दुनिया देखकर बहुत अच्छा लगता है जो रवि ने सेट पर क्रिएट की है। ये बहुत ही बढ़िया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ जाएंगे। रवि तेजा की हिंदी बढ़िया है। नूपुर ने कहा- रवि कई बॉलीवुड एक्टर्स से भी बेहतर हिंदी बोल लेते हैं। वो मेरी काफी मदद करते हैं। रवि बिलकुल डाउन टू ए अर्थ रहते हैं। मेरे पास तेलुगु में डायलॉग आते थे। जितना हो सका उन्होंने मेरे लिए इसे इतना आसान बनाया। मैं तो ये कहूंगी कि दुनिया में सेल्फिश एक्टर्स की कोई कमी नहीं है लेकिन, रवि एक एक्सेप्शन हैं। उन्होंने मेरे लिए इस फिल्म को काफी आसान कर दिया।

'टाइगर नागेश्वर राव' एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। ये 1970 में सेट एक्शन थ्रिलर है। वामसी इस फिल्म के निर्देशक हैं। इस फिल्म में जीवी प्रकाश ने संगीत दिया है। द कश्मीर फाइल्स के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ही इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। रवि तेजा की धमाका क्रैक और खिलाड़ी जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं।

सड़कों के सभी कार्यों में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर सड़कों के नवीनीकरण के नियमित रूप से बजट उपलब्ध कराने से मिली उपलब्धि

- वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्धारित लक्ष्य 6000 कि.मी. में से 5436 कि.मी. के नवीनीकरण का कार्य पूर्ण
- वित्तीय वर्ष में राज्य शासन से सड़कों के संधारण के लिए सर्वाधिक 700 करोड़ रूपए का मिला बजट
- अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग की 75 सड़कों का भी किया गया संधारण
- आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग की 146 सड़कों का किया गया नवीनीकरण

रायपुर, 31 मार्च 2023(ए)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों के संधारण और नवीनीकरण कार्यों में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की निर्मित सड़कों के नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा नियमित रूप से बजट उपलब्ध कराने से मिली है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य शासन से इस योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों के संधारण के लिए सर्वाधिक 700 करोड़ रूपए का बजट मिला। वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य 6000 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 5436 किलोमीटर के नवीनीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौबे ने इस संबंध में बताया कि प्रदेश के अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के संधारण और नवीनीकरण कार्य में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बस्तर संभाग की अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र की 231 किलोमीटर लम्बी 75 सड़कों का 37 करोड़ रूपए की लागत से संधारण किया गया। इसी तरह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र सरगुजा

संभाग की 146 सड़कें, जिनकी लम्बाई 560 किलोमीटर है, उनका संधारण 90 करोड़ रूपए की लागत से किया गया। अति नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिला अंतर्गत पूर्व में कोई भी नवीनीकरण के कार्य नहीं हुए थे, वहां भी सड़क निर्माण पश्चात् पहली बार 10.50 किलोमीटर लम्बी 04 सड़कों के नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में 782 सड़कों के संधारण के लिए 779 करोड़ रूपए का बजट

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में नवीनकरण कार्य हेतु 2915 किलोमीटर लम्बी 782 सड़कों के संधारण के लिए 779 करोड़ रूपए की राशि प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों में नवीनीकरण कार्य हेतु नियमित रूप से राज्य शासन द्वारा बजट उपलब्ध कराये जाने के फ्लस्वरूप नवीनीकरण कार्य में देश में अग्रणी स्थान पर है।

पंचायत मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों का संधारण एवं रखरखाव का दायित्व राज्य सरकार का रहता है। भारत सरकार द्वारा इसके लिए कोई भी राशि नही दी जाती है। इस संबंध में भारत सरकार को भी केन्द्रांश दिये जाने का अनुरोध किया जाता रहा है। प्रदेश में योजना के प्रारंभ से अब तक कुल 8193 सड़कें लंबाई 40,234 किलोमीटर का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन निर्मित सड़कों से 10,590 पात्र बसाहटें लाभान्वित हो चुकी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा निर्मित सड़कें ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन का एक मात्र बारहमासी मार्ग होता है। ग्रामीणों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कें जीवन रेखा के समान है।

पंचायत मंत्री ने बताया कि कार्य पूर्णता पश्चात् 05 वर्ष तक नियमित संधारण कार्य का दायित्व अनुबंधकर्ता ठेकेदार का होता है। निर्मित सड़को का उचित रखरखाव नहीं होने से सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती है जिसे दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन द्वारा संधारण कार्यों में पर्याप्त सतर्कता बरती जा रही है। कुल निर्मित सड़कों में से 3664 सड़कें लंबाई 17,577 कि.मी. पांच वर्ष नियमित संधारण के अंतर्गत हैं, शेष सड़कों के निर्माण की पांच वर्ष की अवधि पूर्ण हो जाने के पश्चात नवीनीकरण की स्थिति में हैं। अब तक कुल 5609 सड़कें जिनकी लंबाई 22,700 किलोमीटर का नवीनीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

राज्य सरकार की चिकित्सा अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई

- दो चिकित्सा अधिकारियों को 15 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण देने का आखिरी अवसर प्रदान किया गया है

11 चिकित्सा अधिकारियों की सेवा की गई समाप्त

रायपुर, 31 मार्च 2023(ए)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा तीन वर्षों से अधिक समय से अनुपस्थित 11 चिकित्सा अधिकारियों की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की गई है। वहीं दो चिकित्सा अधिकारियों को 15 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण देने का आखिरी अवसर प्रदान किया गया है। संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित कुल 24 चिकित्सा अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित किए जाने के प्रस्ताव पर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पांच चिकित्सा अधिकारियों की अनुपस्थिति अवधि को अकार्य दिवस (डायजनान) घोषित किया गया था एवं छह चिकित्सा अधिकारियों की सेवा समाप्ति कर उनकी अनुपस्थिति अवधि को मूलभूत नियम 17 'ए' एवं पेंशन नियम 1976 के नियम 27 के तहत निराकरण करते हुए पृथक विभागीय आदेश विगत 7 फरवरी को विभाग द्वारा जारी किया गया है।शेष 13 चिकित्सा अधिकारियों को विभाग द्वारा अनुपस्थित होने के कारणों को स्पष्ट करने हेतु युक्तियुक्त अवसर देते हुए 1 दिसम्बर 2022 को प्रकरण की सुनवाई नियत की गई थी। पर इन 13 चिकित्सा अधिकारियों में से कोई भी सुनवाई में उपस्थित नहीं हुआ और न ही उनके द्वारा कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया। इन चिकित्सा अधिकारियों में से 11 चिकित्सा अधिकारी तीन वर्ष से अधिक समय से और दो चिकित्सा अधिकारी तीन वर्ष से कम समय से अनुपस्थित हैं। राज्य शासन द्वारा 11 अनुपस्थित चिकित्सा अधिकारियों के विरुद्ध तीन वर्ष से अधिक समय से अनुपस्थित

होने के कारण सेवा समाप्त किए जाने तथा तीन वर्ष से कम की अनुपस्थिति वालों पर विभागीय जांच संस्थित किए जाने तथा परिविक्षाधीन होने पर अवधि बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है।

जिन 11 चिकित्सा अधिकारियों की सेवा समाप्त की गई है उनमें डॉ. सुमीत सोलंकी, चिकित्सा अधिकारी, दस बिस्तर अस्पताल, नवा रायपुर, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय कबीरधाम, डॉ. रिद्धी अरोरा, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय दुर्ग, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिस्टू, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय दुर्ग, डॉ. छवि जांगड़े, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय बेमेतरा, डॉ. पारुल जोगी, चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मस्तूरी, डॉ. तान्या मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी, 50 बिस्तर, एमसीएच, डॉ. शारदा परिहार, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय मुंगेली, डॉ. शबा परवीन, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय सूरजपुर, डॉ. धनंजय प्रसाद साहू, चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत और डॉ. कमल कुमार डहिरे, चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार शामिल हैं। इन सभी की सेवा समाप्त करते हुए उनकी अनुपस्थिति दिनांक से आदेश जारी करने के दिनांक तक की अवधि को अकार्य दिवस घोषित कर सिविल सेवा पेंशन नियम 1976 के नियम 27 सहपठित मूलभूत नियम 17 ए के अधीन सभी उद्देश्यों के लिए सेवा से व्यवधान माना जाए, जो सेवा के किसी भी प्रयोजन हेतु मान्य नहीं होगा। साथ ही तीन वर्ष से कम समय से अनुपस्थित दो चिकित्सा अधिकारियों डॉ. ज्योति सोनवानी, चिकित्सा अधिकारी, मातृत्व एवं शिशु अस्पताल बेमेतरा एवं डॉ. अवधेश्वर साय, भेषज विशेषज्ञ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटा के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित किया गया है। इन दोनों चिकित्सा अधिकारियों को 15 दिवस के भीतर प्रतिवाद उत्तर प्रस्तुत करने पत्र भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नए जस्टिस रमेश सिन्हा ने संभाला कार्यभार

जस्टिस सिन्हा को राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने रायपुर में दिलाया शपथ

बिलासपुर,31 मार्च 2023 (ए)। हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने आज सुबह 10.15 बजे अपना कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान एक ओवेशन हुआ जिसमें सभी न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारी, एडवोकेट जनरल व अधिवक्ता उपस्थित थे। उन्होंने जस्टिस अरुप कुमार गोस्वामी की जगह ली है जो इसी महीने सेवानिवृत्त हुए हैं। इस बीच कार्यवाहक चीफ जस्टिस का कार्यभार जस्टिस गौतम भादुड़ी संभाल रहे थे।

जस्टिस सिन्हा को राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने रायपुर में शपथ दिलाई थी। शपथ ग्रहण के बाद कल बिलासपुर पहुंचने पर

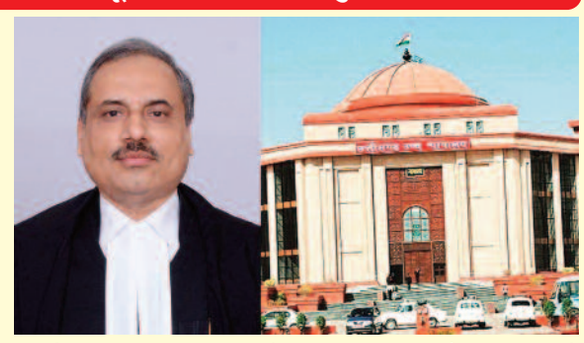

हाईकोर्ट आवासीय परिसर में न्यायाधीशों, एडवोकेट जनरल और न्यायिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। 5 सितंबर 1964 को जन्मे जस्टिस सिन्हा ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से 1990 में स्नातक की डिग्री हासिल की और 1990 में प्रैक्टिस शुरू की। 21 नवंबर 2011 को वे इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए और 6 अगस्त 2013 से वहां स्थायी न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)